कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी/चतुर्दशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 107 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

हर घर पधारें लक्ष्मी यही हमारी कामना

शुभ दीपावली

आज का मौसम | 29 अधिकतम | 20 न्यूनतम

20 अक्टूबर 2025 सोमवार

बिहार चुनाव - दीपावली पर महागठबंधन में सीटों की जंग महाभारत में तब्दील

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

बिहार में चुनावों के ऐलान के पहले जिस तरह की लड़ाई महागठबंधन और एनडीए के घटक दलों के बीच देखी जा रही थी वह महाभारत में तब्दील हो चुकी है। खासतौर से महागठबंधन में सीटों के लिए हो रही रस्साकशी ने महागठबंधन ही नहीं बल्कि कांग्रेस की अगुआई में बने ईंडी या इंडिया गठबंधन को भी छिन्न भिन्न कर डाला है। दूसरी तरफ प्रशांत किशोर की जनसुराज, केजरीवाल की आम आदमी पार्टी, मायावती की बहुजन समाज पार्टी और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने अपने प्रत्याशियों की सूची जारी करके चुनावी समीकरणों को पेचीदी बना दिया है। पुत्र मोह की राजनीति के चलते लालू की तेजस्वी को मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने की हठधर्मिता ने महागठबंधन में आई दरार को खाई की शक्लदे दी है।

ताजा हालात यह हैं कि आम आदमी पार्टी के बाद हेमंत सोरेन ने महागठबंधन को ठेंगा दिखाते हुए इंडी गठबंधन से भी तौबा कर ली है। यदि कांग्रेस और राजद की सीटों को लेकर खींचतान नहीं रूकी तो राजद भी अगर शायद कांग्रेस से पल्ला छुड़ाती दिखे तो कोई हैरत नहीं होगी। दीपों के पर्व पर सीटों की महाभारत के बीच कांग्रेस आलाकमान ने भी पल्ला झाड़कर गेंद प्रदेश कांग्रेस के पाले में डाल दी है वही तय करे कि वह तेजस्वी की सीएम चेहरा घोषित करने की जिद के आगे झुके या नहीं। एनडीए में जीतनराम मांझी या उपेंद्र कुशवाह के मन में कम (छह-छह) सीटें मिलने का मलाल भले ही हो लेकिन यह दोनों मनमसोसकर रह गए हैं। जबकि चिराग पासवान को मिली 29 सीटों की खलिश उनमें जरूर महसूस की जा सकती है। अमित शाह से मुलाकात के बाद लोजपा (रामविलास) के नेता चिराग पासवान भारी गदगद हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर अमित शाह तक के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा है कि भाजपा ने 2019 में एक भी सांसद नहीं जीतने के बावजूद 2024 के लोकसभा चुनाव में 5 सीटें उनकी पार्टी को दीं और पांचों सीटें जीतकर उन्होंने मोदी को निराश नहीं किया। अब पिछले विस चुनाव में एक भी सीट नहीं मिलने के बाद एनडीए के कोटे से मिली 29 सीटें चिराग के लिए किसी तोहफे से कम नहीं हैं। मोदी-शाह की कसौटी पर खरा उतरने की चुनौती अब चिराग के माथे है। यह जवाबदारी भी कि खुद अपने प्रत्याशी जितवाएं और जेडीयू के नुकसान की भी भरपाई भी हो। गौरतलब है कि 2020 के विधानसभा चुनाव में अकेले लड़कर चिराग एक भी विधायक नहीं जिता सके लेकिन 32 सीटों पर जेडीयू का चिराग बुझा दिया। इससे नीतीश की जेडीयू 70 से घटाकर 43 पर सिमट गई। हालांकि जनसुराज के सूत्रधार और चिराग की सियासत के मरीद पीके का दावा है कि जेडीयू की सीटों का आंकड़ा 30 से आगे नहीं जाएगा।

पीके की जनसुराज ने पकड़ी अलग राह

प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 243 में से 116 उम्मीदवारों की जो सूची जारी की है उनमें प्रमुख हस्तियों, पेशेवरों और जातिगत प्रतिनिधित्व को केंद्र में रखा गया है। उनकी लिस्ट में कायस्थ बहुल सीट से प्रख्यात गणितज्ञ केसी सिन्हा, भोजपुरी गायक रितेश पांडे कराहगर, पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह बेटी और सुप्रीम कोर्ट वकील लता सिंह, पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर की पोती जागृति ठाकुर, पूर्व आईपीएस जेपी सिंह, आईजीआईएमएस के पूर्व निदेशक डॉ. अरुण कुमार, डॉ. अमित कुमार दास और वरिष्ठ वकील वाई वी गिरि जैसी शखिसयतो के साथ ट्रांसेंडर उम्मीदवार भी शरीक हैं। जन सुराज का दावा है कि उसका मकसद राजनीति में गैर राजनीतिक हाईप्रोफाइल चेहरों को आगे लाकर चुके हुए चेहरों को पछाड़ना है। जनसुराज की 116 की सूची में 31 ईबीसी, 21 ओबीसी और 21 अल्पसंख्यक समुदायों से हैं।

उधर, महागठबंधन में औरंगाबाद की कुटुंबा सुरक्षित सीट पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के सामने लालू की राजद ने सुरेश पासवान का नाम आगे करके महागठबंधन टूटने की आशंका बढ़ा दी थी, लेकिन ताजा सूची में राजद ने पासवान का नाम शामिल नहीं किया। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने राजद के सामने कम से कम 61 सीटें मांगी है, तो राजद की जिद है कि कांग्रेस पहले तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करे, तभी आगे बात होगी। इससे उपजे गतिरोध के बीच कांग्रेस-राजद में संवाद थम गया है। कई सीटों पर दोस्ताना संघर्ष खुली जंग में तब्दील हो गया है। अब लाख टके का सवाल यह है कि दीपावली पर इस महाभारत के बीच क्या वीआईपी के मुकेश सहनी और चिराग के चाचा पारसनाथ की लोजपा भी महागबंधन का दामन छोड़ेगी। महागठबंधन में सीटों के बंटवारे की औपचारिक घोषणा के पहले ही कांग्रेस और भाकपा-माले के साथ ही राजद, वीआईपी और अन्य वाम दल अपनी सीटें घोषित कर पार्टी सिंबल बांट चुके हैं।

लक्ष्मी पूजा के लिये शुभ चौघड़िया मुहूर्त

अपराह्न मुहूर्त- (चर, लाभ, अमृत)-3.44 से 4.5 मिनट
रात्रि मुहूर्त - (लाभ) - 7.30 से 8.57 मिनट
उषाकाल मुहूर्त - (शुभ, अमृत, चर) - 01.41 रात

न्यूज विंडो

आरजेडी ने जारी की 143 उम्मीदवारों की सूची

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल ने अपने 143 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है, लेकिन इसमें कुटुंबा सीट से किसी भी उम्मीदवार का नाम नहीं है। आरजेडी द्वारा उम्मीदवार घोषित नहीं करन से कांग्रेस पार्टी ने राहत की सांस ली है। औरंगाबाद की इस कुटुंबा सीट से आज बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम अपना नामांकन दाखिल कर रहे हैं। आरजेडी की आधिकारिक सूची में कुटुंबा सीट से उम्मीदवार की घोषणा नहीं की गई है, जिससे यह साफ हो गया है कि यह सीट कांग्रेस के खाते में चली गई है। आज पहले चरण की नाम वापसी का आखिरी दिन है और दूसरे चरण के 122 विधानसभा क्षेत्रों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

खबर खास

उम्र-डिग्री पर साफ करें अपना पक्ष

अपनों के ही निशाने पर सम्राट चौधरी, डिग्री और उम्र पर मांगा जवाब... देखें पेज 8

गोवा में नौसेना संग मनाई पीएम मोदी ने दीपावली

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस दीपावली गोवा तट पर भारतीय नौसेना के जवानों के साथ मनाने पहुंचे। सशस्त्र बलों के जवानों के साथ दीपावली मनाने की परंपरा को जारी रखते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा और कारवार के तट पर आईएनएस विक्रांत का दौरा किया।। इस दौरान पीएम मोदी ने जवानों को भी संबोधित किया। बता दें कि, 2014 से प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभालने के बाद से पीएम मोदी सशस्त्र बलों के जवानों के साथ दिवाली मनाते रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, आज का दिन अद्भुत है। ये दृश्य अविस्मरणीय है। आज मेरे पास एक तरफ समंदर है, तो दूसरी तरफ मां भारती के वीर जवानों की ताकत है।

अवकाश सूचना

दीपावली के अवसर पर दोपहर मेट्रो कार्यालय में मंगलवार 21 अक्टूबर को अवकाश रहेगा। अगला अंक बुधवार 22 अक्टूबर को प्रकाशित होगा।

आज का कार्टून

फैसला आने के बाद उसे लागू कराने के केस भी बड़ी संख्या में पेंडिंग

ऐसे तो न्याय का मजाक बन कर रह जाएगा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/बेंगलुरू, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने देश भर की विभिन्न अदालतों में 8.82 लाख से यादा निष्पादन याचिकाओं के लंबित रहने को बेहद निराशाजनक और चिंताजनक बताया है। निष्पादन याचिका उसे कहते हैं जिस पर फैसला सुनाया जा चुका है लेकिन उसे लागू नहीं करवाया जा सका हो। यानी कि जब कोई विवाद अदालत में सुलझ जाता है और हारने वाला पक्ष फैसला नहीं मानता, तो जीतने वाला पक्ष अदालत में निष्पादन याचिका दायर करता है। यह याचिका अदालत के फैसले को जमीन पर उतारने का काम करती है, यानी आदेश का पालन करवाना सुनिश्चित करती है। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति पंकज मित्तल की पीठ ने 6 मार्च के अपने उस आदेश के अनुपालन की समीक्षा करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें सभी उच्च न्यायालयों को निर्देश दिया गया था कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली दीवानी अदालतों को छह महीने के भीतर निष्पादन याचिकाओं पर फैसला सुनाने का निर्देश दें। लेकिन यह काम समय से हो नहीं सका।

बेहद निराशाजनक आंकड़े

पीठ ने कहा कि हमें जो आंकड़े प्राप्त हुए हैं, वे बेहद निराशाजनक हैं। देश भर में लंबित नष्पादन याचिकाओं के आंकड़े चिंताजनक हैं। आज की तारीख में देश भर में 8,82,578 निष्पादन संबंधी याचिकाएं लंबित हैं। पीठ ने कहा कि 6 मार्च से पिछले छह महीनों में कुल 3,38,685 निष्पादन याचिकाओं पर निर्णय और निपटारा किया गया है। पीठ ने 16 अक्टूबर के अपने आदेश में कहा, जैसा कि हमारे मुख्य फैसले में कहा गया है, अगर डिक्री पारित होने के बाद भी उसे लागू करने में सालों-साल लगेंगे, तो इसका कोई मतलब नहीं है और यह न्याय का उपहास होगा।

हाईकोर्ट से मांगा जवाब

शीर्ष अदालत ने कहा कि दुर्भाग्य से, कर्नाटक उच न्यायालय हमें इस संबंध में आवश्यक आंकड़े उपलब्ध कराने में विफल रहा है। शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री से अनुरोध है कि वह एक बार फिर कर्नाटक उच न्यायालय को स्मरण कराए कि वह पिछले छह महीनों में निष्पादन याचिकाओं के निपटारे और आज की तारीख तक लंबित याचिकाओं के संबंध में आंकड़े उपलब्ध कराए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कर्नाटक उच न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को यह स्पष्टीकरण देना होगा कि वह हमें आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने में क्यों विफल रहे। इस संबंध में स्पष्टीकरण देने के लिए उच न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को दो सप्ताह का समय दिया जाता है।

फिर आई डोनाल्ड ट्रंप की धमकी

भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा तो और लगाएंगे टैरिफ

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत को रूसी तेल की ख़रीद सीमित न करने पर भारी टैरिफ़ लगाने की धमकी दी है। इससे पहले उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से आश्वासन दिया है कि नई दिल्ली ऐसे आयात बंद कर देगा। पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, उन्होंने (प्रधानमंत्री मोदी ने) मुझसे कहा, भारत, रूस से तेल नहीं खरीदेगा। लेकिन अगर वे ऐसा करते रहे, तो उन्हें भारी टैरिफ़ चुकाना पड़ेगा। जब ट्रंप से भारत सरकार के इस जवाब के बारे में पूछा गया कि उनके और प्रधानमंत्री मोदी के बीच हाल ही में हुई किसी बातचीत की कोई जानकारी नहीं है, तो ट्रंप ने जवाब दिया, लेकिन अगर वे ऐसा कहना चाहते हैं, तो वे भारी टैरिफ़ देना जारी रखेंगे, और वे ऐसा नहीं करना चाहते।

मॉस्को की आर्थिक मदद

यह बयान बुधवार को ओवल ऑफिस में ट्रंप की उस अप्रत्याशित घोषणा के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। ट्रंप ने कहा, ऋभारत को लगभग एक-तिहाई तेल रूस से मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि उनका प्रशासन इस ख़रीद को यूक्रेन में युद्ध के लिए मॉस्को की आर्थिक मदद के रूप में देखता है। हालांकि, भारत के विदेश मंत्रालय ने ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि उन्हें पिछले दिनों ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच हुई किसी भी बातचीत की जानकारी नहीं है।

पीएम मोदी की अपील -स्वदेशी खरीदें और सेल्फी डालें

नईदिल्ली, एजेंसी

दिवाली पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से खास अपील की है। इसके तहत उन्होंने एक बार फिर से लोगों से स्वदेशी खरीदने पर जोर देने को कहा है। पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि आइए, इस त्यौहारी सीजन में 140 करोड़ भारतीयों की कड़ी मेहनत, रचनात्मकता और नवाचार का जश्न मनाएं। आइए, भारतीय उत्पाद खरीदें और कहें - गर्व से कहो, यह स्वदेशी है! आपने जो खरीदा है उसे सोशल मीडिया पर भी शेयर करें। इस तरह आप दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करेंगे। पीएम मोदी ने माय गवर्नमेंट इंडिया का पोस्ट साझा करते हुए देशवासियों से स्वदेशी सामान खरीदने की अपील की है। बता दें कि भारत सरकार का यह एक्स अकाउंट देशवासियों को स्वदेशी सामान के बारे में बताता है और खरीदने के लिए मोटिवेट करता है। यह हैंडल सरकार की नीतियों को बेहतर तरीके से आम जनता तक पहुंचाता है। वहीं, माय गवर्नमेंट इंडिया के पोस्ट में लिखा गया था, हम सभी स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस दिवाली, आइए केवल स्वदेशी उत्पाद खरीदने और अपने स्थानीय कारीगरों का समर्थन करने का संकल्प लें। इसमें एक वीडियो भी जारी किया गया है, जिसमें माधुरी दीक्षित, वरुण धवन, गायक शंकर महादेवन खरीदी के साथ सेल्फी ली।

पटाखा बाजार में भीषण आग लाखों का माल जलकर खाक

मैहर, दोपहर मेट्रो

दिवाली के त्योहार से एक दिन पहले मैहर जिले के अमरपाटन कस्बे में एक बड़ी लापरवाही के कारण भीषण हादसा हो गया। यहां के लंका मैदान में लगे पटाखा बाजार में रविवार दोपहर भीषण आग लग गई, जिसने 8 दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में आने से 2 दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं, जबकि 6 अन्य दुकानों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। यह पूरी घटना रविवार दोपहर करीब 1 बजे की बतायी जा रही है।

मेट्रो एंकर

दोनों देशों के बीच फिलहाल संघर्षविराम... लेकिन बना हुआ है तनाव

तालिबान की पाक को चेतावनी- इंडियन बॉर्डर तक दौड़ाकर मारेंगे

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी।

अफगानिस्तान के उप आंतरिक मंत्री और तालिबान नेता मौलवी मोहम्मद नबी ओमारी ने पाकिस्तान को सख्त चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तानी फौज को आक्रमणकारी घोषित किया गया तो अफगानिस्तान की जनता और कबीले उनका इंडियन बॉर्डर तक पीछा कर सकती हैं। उन्होंने कहा, यदि अफगानी कबीले और राष्ट्र आपको धार्मिक फतवे के जरिए आक्रमणकारी घोषित कर दें, तो अल्लाह की कसम आप इंडियन बॉर्डर तक भी सुरक्षित नहीं रहेंगे।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच हाल के दिनों में सीमा पर झड़पें तेज

हुईं और कई सैनिक व नागरिक हताहत हुए हैं। हिंसात्मक घटनाओं के बाद कतर और तुर्की की मध्यस्थता में दोनों पक्षों ने दोहा में वार्ता कर तत्कालीन संघर्षविराम पर सहमति व्यक्त की है पर तनाव पूरी तरह शांत नहीं हुआ है।

ओमारी ने सीधे तौर पर पाकिस्तान की सिविल और सैन्य नेतृत्व पर भी हमला किया और कहा कि वे विदेशी आदेशों के अनुसार काम कर रहे हैं। उनकी आलोचना में यह भी जोड़ा गया कि पाक नेतृत्व अंतरराष्ट्रीय दबावों तथा अन्य शक्तियों की इच्छाओं के मुताबिक निर्णय ले रहा है। ऐसे भाषण ने क्षेत्रीय मंच पर चिंता बढ़ा दी है। हालिया झड़पों में दोनों तरफ सैनिक और नागरिक मौतें दर्ज हुईं। अफगान और पाकिस्तानी सूत्रों ने एक-दूसरे पर पहले औद्योगिक हमलों व एयर स्ट्राइक्स का आरोप लगाया। इससे स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा पर सवाल उठे हैं। यूएन और कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने दोनों पक्षों से संयम बरतने और मानवाधिकारों की रक्षा की अपील की है।

भारत पर भी होगा असर!

ओमारी के बयान में जो इंडियन बॉर्डर का जिक्र है, उसने क्षेत्रीय राजनयिक हल्के में भी चिंता बधाई है। भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान की यह शब्दाबली-एक दूसरे के लिए संवेदनशील है। इस तरह के बयान सीमाओं पर अनिश्चितता बढ़ा सकते हैं और तीसरे पक्ष के तौर पर दिल्ली की सतर्कता बढ़ा देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कूटनीतिक चैनलों को सक्रिय रखना और तीसरे देशों की मध्यस्थता आवश्यक है ताकि इरादे स्पष्ट हों और दुष्प्रचार रोका जा सके।

‘घी के लड्डू’ और ‘केसर बर्फी’ की सबसे अधिक डिमांड

आज दीपोत्सव, बाजारों में बढ़ी रौनक सुबह से खरीदारी करने पहुंचे ग्राहक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी आज दिवाली के उल्लास में सराबोर है। सुबह से लक्ष्मी पूजा की तैयारी की जा रही है। दीये, पटाखे समेत अन्य जरूरी सामान खरीदने लोग बाजार पहुंच रहे हैं। ज्वेलरी, सजावट, इलेक्ट्रॉनिक्स और कपड़ों की दुकानों में जमकर खरीदारी हो रही है। मिठाई की दुकानों पर ‘घी के लड्डू’ और ‘केसर बर्फी’ की सबसे अधिक डिमांड है। सभी जगह सुरक्षा और ट्रैफिक की विशेष व्यवस्था की गई है। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। ट्रैफिक पुलिस ने मुख्य मार्गों पर रूट डायवर्शन की व्यवस्था की है, ताकि पूजा के बाद बाजारों में भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। शहरों में प्रशासन अलर्ट मोड पर है। आपात स्थिति से निपटने के लिए फोन नंबर जारी किए गए हैं। दिवाली पूजन के लिए पं. दिपेश शर्मा ने शुभ मुहूर्त बताए हैं। उन्होंने कहा कि लक्ष्मी-गणेश पूजन का मुख्य काल प्रदोष काल माना जाता है। जिसमें स्थिर लग्न की प्रधानता होती है। इस बार वृष, सिंह और कुंभ लग्न दीपावली पूजन के लिए विशेष रूप से शुभ बताए गए हैं।

भोपाल के बाजारों में सुबह से भीड़: भोपाल में न्यू मार्केट, एमपी नगर, चौक बाजार और बिट्टन मार्केट जैसे इलाकों में सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ है। दूसरी तरफ, गांधी मेडिकल कॉलेज में एक विशेष रूम बनाया गया है। इसमें दिवाली के दौरान आने वाले मामलों के मैनेजमेंट के लिए सभी जरूरी उपकरण और कंज्यूमेबल्स रखे हैं। इसे इन्फॉर्मेशन सेंटर के रूप में भी तैयार किया है, जो इमरजेंसी मेडिसिन और नेत्र रोग विभाग के साथ समन्वय में काम करेगा।

एम्स ने की लोगों से अपील

भोपाल एम्स के बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने जरूरी सावधानियां जारी की हैं। जिसमें कहा है कि दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और सामूहिक कल्याण का अवसर है।

भोपाल में 24 घंटे ड्यूटी करेगा निगम अमला

दिवाली पर भोपाल नगर निगम का फायर अमला 24 घंटे ड्यूटी करेगा। 100 टैंकर और 30 दमकलें हर वक्त तैयार रहेंगे। निगम ने साढ़े तीन सौ कर्मचारियों की डयूटी लगाई है। रविवार की रात से ही ड्यूटी शुरू हो गई है, जो दिवाली के दूसरे दिन तक रहेगी। ज्यादातर कर्मचारी डबल शिफ्ट करेंगे। सभी 6 पटाखा मार्केट में 6 टीमें तैनात हैं। 14 जगहों पर दमकलें खड़ी हैं। दिवाली की रात में इनकी संख्या 100 से ज्यादा हो जाएगी। कुल 400 में से 350 कर्मचारियों की डबल ड्यूटी लगी है। भोपाल के फतेहगढ़, जिंसी चौराहा, कोलार, होशंगाबाद रोड, रायसेन रोड, करोंद, गोविंदपुरा, माता मंदिर समेत शहर के सभी 13 स्टेशनों पर दमकल और पानी के टैंकर खढ़े हैं, जो सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचकर आग बुझाएंगे।

महाविद्यालयों में अस्थाई प्रवेश 4 से 6 नवंबर तक

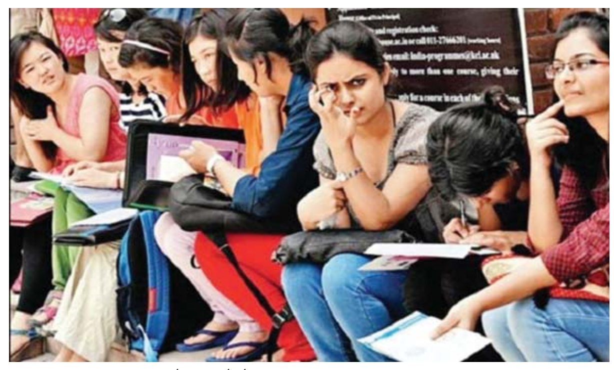

ऑल इंडिया व स्टेट कोटे की तृतीय चरण की काउंसलिंग का शेड्यूल जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आयुष मेडिकल कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए तृतीय चरण की काउंसलिंग का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। यह शेड्यूल भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग और राष्ट्रीय होयोपैथी आयोग के निर्देशों के तहत जारी किया गया है। यह उन छात्रों के लिए है जो अभी तक प्रवेश नहीं ले पाए हैं। आयुष संचालनालय, मध्यप्रदेश के अनुसार, नीट यूजी के पात्र उमीदवार ऑल इंडिया कोटे (15 प्रतिशत) और स्टेट कोटे की बची हुई सीटों पर प्रवेश के लिए इस चरण में भाग ले सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, दो चरण की काउंसलिंग पूरी होने के बाद भी आयुष कॉलेजों में अभी भी लगभग 35 प्रतिशत से अधिक स्नातक सीटें रिक्त हैं। यह काउंसलिंग शासकीय, स्वशासी और निजी मान्यता प्राप्त आयुर्वेद, होयोपैथी, यूनानी, प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित की जा रही है। प्रदेश में 09 शासकीय आयुष मेडिकल कॉलेज सहित 60 से अधिक कॉलेजों में कुल पांच हजार से ज्यादा आयुष यूजी सीटें उपलब्ध हैं।

रजिस्ट्रेशन से चूके छात्रों के लिए एक और मौका

आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. राकेश पाण्डेय ने छात्रों से अपील की है कि अगर कोई छात्र रजिस्ट्रेशन कराने से चूक गया है तो वह इस अंतिम मौके का लाभ उठाकर काउंसलिंग में शामिल हो सकता है। उन्होंने कहा कि छात्र किसी भी भ्रम की स्थिति में न आएं और केवल मान्यता प्राप्त आयुष कॉलेजों में ही प्रवेश लें।

बीयू में भर्ती के इंतजार में 1485 आवेदक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी (बीयू) में सहायक प्राध्यापक के 31 पदों पर भर्ती के लिए अब तक प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है। इस भर्ती के लिए कुल 1485 अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिनमें से 1370 आवेदन मैन्युअल रूप से प्राप्त हुए थे।

गौरतलब है कि यह भर्ती प्रक्रिया पहले 2022 में शुरू की गई थी, लेकिन आरक्षण विवाद के चलते इसे रद्द कर दिया गया था। अब विश्वविद्यालय ने नए नोटिफिकेशन के तहत फिर से आवेदन मांगे थे। यह पहली बार है जब बीयू ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया अपनाई है। भर्ती के तहत विभिन्न विषयों में 31 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति की जाना है। प्रमुख विषयों में वायोकेमिस्ट्री, वायोसाइंस,

बायोटेक्नोलॉजी, जैन-चौद्ध दर्शन, संस्कृत, कॉमर्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, जेनेटिक्स, भूविज्ञान, लॉ, लिनोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, साइकोलॉजी और समाजशास्त्र शामिल हैं। बता दें अनारक्षित वर्ग के लिए 10 पद, ओबीसी के लिए 9, अनुसूचित जाति के लिए 5, अनुसूचित जनजाति के लिए 3 और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए 4 पद आरक्षित किए गए हैं। दस्तावेजों की स्क्रूटनी के बाद इंटरव्यू की प्रक्रिया जल्द शुरू होने की उमीद है।

यात्रियों को एयरपोर्ट पर लायब्रेरी सुविधा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजाभोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हवाई यात्रियों के लिए लायब्रेरी सुविधा शुरू की गई है। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि यात्री सुविधाओं में वृद्धि करते हुए पुस्तकालय शुरू किया है। भोपाल एयरपोर्ट पर शुरू की गई इस फ्लायब्रेरी में शुरुआत में लगभग 50 किताबें उपलब्ध कराई गई हैं। यात्रियों के लिए यह सुविधा पूरी तरह निशुल्क है। कोई भी यात्री किताब लेकर पढ़ सकता है। यह पहल ब्रिटिश एयरवेज ने वर्ष 2017 में शुरू की थी। उन्होंने गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित करने के लिए किताबें उपलब्ध कराईं। देश में पुणे, वाराणसी, भुवनेश्वर और लखनऊ में ऐसी सुविधा है।

युवा उत्सव महोत्सव के रजिस्ट्रेशन 2 नवंबर तक होंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह 29वां आयोजन होगा। आयोजन जिला और संभाग स्तर पर होंगे। जिला स्तर पर 4 नवम्बर और संभाग स्तर पर 6 नवम्बर को कार्यक्रम कराए जाएंगे। इनमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों से युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने आवेदन मांगे हैं। इसके लिए 2 नवम्बर अंतिम तारीख होगी। महोत्सव के दौरान भाषण, कहानी लेखन, पेंटिंग सहित कई प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। राज्य स्तर पर विज्ञान मेला प्रदर्शनी के साथ समापन होगा।

वंदे भारत की रैक 15 मिनट में होगी तैयार, यात्रियों का समय बचेगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल से दिल्ली, इंदौर, जबलपुर, रीवा, नागपुर के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस भोपाल आते ही 15 मिनट में दोबारा सफर के लिए तैयार हो जाएगी। हबीबगंज नाका पर बन रहे वॉशिंग एप्रॉन का काम लगभग पूरा हो गया है। इसके अलावा बड़ी खराबी को दूर करने के लिए निशातपुरा में मेंटनेंस हब बनाने का काम शुरु कर दिया गया है। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि निशातपुरा हब बनने से यह पूरी प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर, तेज और आसान हो जाएगी। इस प्रोजेक्ट का पहला चरण लगभग 113 करोड़ रुपए में पूरा होगा। पूरे प्रोजेक्ट के तीन चरणों में 3 से 4 साल का समय लग सकता है। हब बनने के बाद देश की सबसे तेज और आधुनिक वंदे भारत ट्रेनों का नियमित मेंटेनेंस स्थानीय स्तर पर किया जाएगा।

दो सौ पार हुआ शहर का एक्यूआई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

धनतरेस को शहर में एक चौथाई भी फटाखे नहीं फूटे। उसके पहले ही शहर की हवा प्रदूषित हो चुकी थी। मौसम में बदलाव का असर है कि राजधानी में सांस के रोगी बढ़ गए हैं। यह खतरा प्रदेश के बीचोंबीच ज्यादा है। मंडीदीप में एक्यूआई 280 दर्ज हुआ। ये प्रदेश में सबसे अधिक है इसका असर राजधानी पर पड़ा है। यहां एक्यूआई 200 के पार दर्ज हुआ है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों में यह रिपोर्ट सामने आई है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के जरिए राजधानी सहित प्रदेश में 32 स्थानों पर रियल टाइम मॉनिटरिंग की गई। इसके आंकड़ों में राजधानी को चिंता में डाल दिया है। एयर क्वालिटी में लगातार गिरावट दर्ज की गई। चौंकाने वाली बात ये है कि ये हालात प्रदेश की बजाय मध्यक्षेत्र में ज्यादा हैं। ऐसे में इसका असर है। कारण के पीछे मौसम में बदलाव को बताया जा रहा है। राजधानी में तीन स्थानों पर एक्यूआइ की मॉनिटरिंग हुई। इनमें ईदगाह हिल्स क्षेत्र में शनिवार शाम यह 171 दर्ज हुआ। पूरे दिन में अधिकतम एक्यूआइ 200 से अधिक रेकॉर्ड हुआ है। पर्यावरण परिसर में 152, टीटी नगर में यह 154 दर्ज किया गया है।

यह कर सकते हैं: संवेदनशील लोगों को बाहर निकलते समय मास्क पहनना चाहिए।

बाहर का व्यायाम विशेष रूप से बेहतर वायु वाले समय में करें। बच्चों और बुजुर्गो पर ध्यान दें। सांस के मरीजों के मरीज एहतियात बरतें। एक्यूआइ बढ़ने के पीछे मौसम में बदलाव कारण हो सकता है। वहीं धूल और धुंआ भी बढ़ रहा है। पीएम 10 की मात्रा अधिक पाई गई है।

त्योहारों के मद्देनजर निगम ने कसी सफाई व्यवस्था की कमर

भोपाल. त्योहारों को देखते हुए नगर निगम ने शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए विशेष अभियान शुरू कर दिया है। इसी क्रम में सोमवार को प्रातः शहर के विभिन्न महत्वपूर्ण और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया गया। निगम के अधिकारियों ने न्यू मार्केट, रोशनपुरा, कमला पार्क, हमीदिया अस्पताल, रॉयल मार्केट, नादरा बस स्टैण्ड, घोड़ा नक्कास, इतवारा, लालघाटी, बैरागढ़, एयरपोर्ट रोड, करोद, और डिपो चौराहा सहित कई प्रमुख बाजारों और मार्गों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद सफाई मित्रों और दरोगाओं को निर्देशित किया गया कि वे सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई को और अधिक प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करें। शहर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए सफाई के बाद निकले कचरे को तत्काल उठाकर निष्पादन स्थल तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

मेट्रो एंकर

दिन के तापमान में दो डिग्री की गिरावट, हवा की दिशा भी लगातार बदल रही

शहर में बदलता मौसम, कल से सर्दी बढ़ने के आसार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दिवाली के पहले मौसम का मिजाज अचानक बदल गया है। इसका कारण यह है कि इस समय अरब सागर की ओर बने वेल मार्क लो प्रेशर एरिया के कारण नमी आ रही है, साथ ही हवा का रुख भी लगातार बदल रहा है। इसके कारण बादल, कुहासा जैसी स्थिति बन रही है। फिलहाल मौसम का रुख अगले तीन चार दिनों तक इसी तरह रहने की संभावना है। शहर में सोमवार को मौसम का मिजाज सुहाना रहा। सुबह 9.30 बजे के आसपास विजिबिलिटी 1500 मीटर रही। रविवार को शहर के अधिकतम तापमान में 1.8 डिग्री की गिरावट हो गई। इस दौरान अधिकतम तापमान 30.1 और न्यूनतम 21 डिग्री दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान सामान्य से 2.8 डिग्री कम रहा, वहीं न्यूनतम तापमान 2.7 डिग्री अधिक रहा।

अगले 2-3 दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

मौसम विज्ञानी पीके रायकवार ने बताया कि दक्षिण पूर्वी अरब सागर, लक्ष्यदीप के आसपास एक लो मार्क लो बना हुआ है, साथ ही एक ऊपरी हवा का चक्रवात अंडमान पर है। इसके कारण नमी आ रही है। हवा का रुख भी अलग अलग है। इसके कारण बादलों की स्थिति बन रही है। अगले दो तीन दिन मौसम इसी तरह रहने की संभावना है। 21 अक्टूबर से हिमालय रीजन में एक पश्चिमी विक्षोभ की संभावना है। इसके गुजरने के बाद हवा का रुख उत्तरी होने के साथ ही तापमान में गिरावट का सिलसिला शुरू होगा। दिवाली पर मौसम साफ रहेगा और दिन में धूप खिली रहेगी। मौसम विभाग ने कहीं भी बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया है। हालांकि, कल यानी, 21 अक्टूबर से प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में एक बार फिर हल्की बारिश और गरज-चमक वाला दौर शुरू होगा, जो अगले 3 दिन तक चलेगा। सर्कुलेशन का असर प्रदेश में देखने को मिल सकता है।

बीमाकुंज में ऑटो रिक्शा बिगाड़ रहे ट्रैफिक

भोपाल। कोलार क्षेत्र में जब से सिक्सलेन रोड बनाई गई है, तब से वाहनों की रतार भी बढ़ गई है। इस कारण आए दिन दुर्घटना के मामले भी सामने आते रहते हैं। बीमाकुंज, महाबली नगर और साईनाथ कॉलोनी के जोड़ में लोगों के लिए सबसे बड़ी दिक्कत ऑटो, ई-रिक्शा सहित अन्य सवारी वाहन बने हुए हैं। ऑटो रिक्शा चालकों की मनमानी पर रोक नहीं लग पा रही है। ऑटो चालक रोड पर तेज गति से वाहन दौड़ाते हैं और जहां कोई व्यक्ति खड़ा दिखाई देता है, अचानक ब्रेक मारकर ऑटो रोक देते हैं। इस कारण पीछे चल रहे वाहनों के इनसे टकराने की आशंका बनी रहती है। सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि सिक्स लेन पर ही तिराहे-चौराहे सहित जगह-जगह अघोषित ऑटो स्टैंड बना रखे हैं।

गोवर्धन पर्व: प्रकृति से सह-अस्तित्व और समग्र विकास का उत्सव : डॉ. मोहन यादव

आप सभी को दीपोत्सव, गोवर्धन पूजा और अन्नकूट उत्सव की शुभकामनाएं और बधाई...

दीपावली के उत्सव की श्रृंखला में आरोग्य, आर्थिक समृद्धि, परिवार एवं समाज समन्वय और पर्यावरण संरक्षण का संदेश है।

दीपावली के अगले दिन होने वाला गोवर्धन पर्व प्रकृति, पर्वत और गौ-वंश संरक्षण की भारतीय प्राचीन परंपरा का प्रतीक है। इस परंपरा का साक्षात दर्शन हमें भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर धारण करने से मिलता है। मानवता की रक्षा के इसी पावन स्मृति में गोवर्धन पूजन किया जाता है। इस पर्व में गौ-धन के संवर्धन की प्रेरणा है जो भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। इसमें भारतीय समाज की वह जीवनदृष्टि समाहित है, जिसमें प्रकृति, पशु, मनुष्य और देवत्व का संतुलन देखने को मिलता है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि हम प्रदेशभर में गोवर्धन पर्व का आयोजन कर रहे हैं। यह पर्व सभी जिलों में लोक अनुष्ठान और सांस्कृतिक परंपराओं के अनुसार मनाया जा रहा है। आयोजन में पशुपालन तथा दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में नवाचार करने वाले उद्यमियों को सम्मानित किया जायेगा। इस अवसर पर पशुपालन, कृषि और सहकारिता विभाग की जन-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के साथ लोगों को जोड़ने और ग्रामीण आजीविका के लिए दुग्ध उत्पादन और वृंदावन ग्राम योजना के विस्तार की गतिविधियों का संचालन शुरू किया गया है।

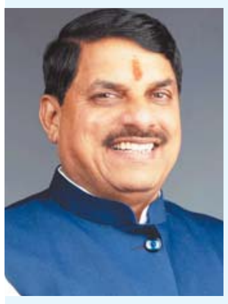

हमारे पर्व-परंपराओं में प्रकृति से सह-अस्तित्व और समग्र विकास का भाव है। इसी कड़ी में गोवर्धन पर्व प्रकृति और प्राणियों के बीच समन्वय और संरक्षण से जुड़ा है। इस दिन गोबर से पर्वत का प्रतीक बनाकर उसकी पूजा की जाती है। पर्वत का प्राकृतिक संतुलन में महत्वपूर्ण योगदान है। पर्वत जल संरक्षण, संवर्धन और ऋतुओं के संतुलन का समन्वय करते हैं। इससे नदी, तालाब तथा अन्य जलस्रोत सुरक्षित रहते हैं। गोवर्धन पूजन में पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प भी है। हमारा प्रयास है कि इस पर्व के माध्यम से प्रकृति और पशुधन का महत्व नई पीढ़ी तक पहुंचे। मध्यप्रदेश अपनी प्राकृतिक संपदा के साथ गौ-वंश से समृद्ध है। गौ-माता में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास होता है। हमने वर्ष 2024-25 को गौ-संरक्षण एवं संवर्धन वर्ष के रूप में मनाया। हम पशुपालक किसानों की आय को दोगुना करने के लिए प्रयासरत हैं। देश के दुग्ध उत्पादन का 9 प्रतिशत मध्यप्रदेश में होता है इसे 20 प्रतिशत तक करना हमारा लक्ष्य है। इसके लिए प्रदेश के गांव-गांव में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर पशुपालकों को पशुओं में नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान, पशुओं के टीकाकरण, स्वास्थ्य रक्षा, संतुलित पशु आहार, पशु पोषण आदि के बारे में तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी दी जा रही है। इन सभी प्रयासों से हम मध्यप्रदेश को दुग्ध केपिटल बनायेंगे।

मुझे इस बात का संतोष है कि मध्यप्रदेश सरकार गौ-पालन, गौ-संवर्धन के लिए संकल्पित है। हमने गौ-शालाओं के लिए अनुदान को 20 रुपये प्रति गौ-वंश प्रतिदिन से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति गौ-वंश प्रतिदिन किया है। गौ-वंश के भरण-पोषण के लिए दो वर्ष पहले बजट 90 करोड़ रुपये था, जिसे 250 करोड़ रुपये किया गया और अब यह राशि बढ़ाकर 600 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में ग्वालियर में देश की पहली आधुनिक और आत्मनिर्भर गौ-शाला परिसर में कम्प्रेस्ड बायो गैस संयंत्र की स्थापना की गई है। प्रदेश में नवीन गौ-शालाओं का निर्माण, प्रति गाय अनुदान राशि बढ़ाने, गौ-उत्पादकों को प्रोत्साहन, गोबर से सीएनजी निर्मित करने वाले आधुनिक प्लांट की स्थापना तथा नेशनल डेयरी विकास बोर्ड के साथ करार जैसे नवाचार किये गये हैं।

हमारे लिए खुशी की बात है कि मध्यप्रदेश में किसानों और पशुपालकों को लाभान्वित करने के लिये 2900 गौ-शालाएं हैं। मुख्यमंत्री गौ-सेवा योजना के अंतर्गत 2203 गौ-शालाओंका संचालन हो रहा है। विगत एक वर्ष में एक हजार से अधिक नवीन गौ-शालाएं प्रारंभ की गई हैं। गौ-वंश के आश्रय एवं भरण-पोषण के लिए नगर पालिक निगम ग्वालियर, उज्जैन और इंदौर में गौ-शालाएं खोली गई हैं। भोपाल में 69.18 एकड़ भूमि पर 10 हजार गौ-वंश क्षमता की गौ-शाला का निर्माण किया जा रहा है। गौ-अभयारण्य अनुसंधान एवं उत्पादन केन्द्र, सालरिया, जिला आगर-मालवा में वर्तमान में 6500 गौ-वंश का पालन-पोषण किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में गौ-वंश का संवर्धन दुग्ध उत्पादन से रोज़गार और स्वरोज़गार का बड़ा स्रोत होगा। महिलाओं की आत्मनिर्भरता में भी दुग्ध व्यवसाय का महत्वपूर्ण योगदान है। प्रदेश में जिस तरह खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिये किसानों को प्रोत्साहित किया गया और हमारे किसान भाइयों ने उपज का भंडार भर दिया, उसी तरह दुग्ध उत्पादन करने वाले पशुपालकों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इससे प्रदेश में गौ-वंश पालन बढ़ेगा, कृषि की पारंपरिक व्यवस्था को आधार प्राप्त होगा और प्राकृतिक खेती को सहयोग मिलेगा। रसायन रहित पौष्टिक अन्न तथा अन्य वस्तुओं का उत्पादन जहां स्वास्थ्य के लिये लाभदायी होगा, वहीं प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

गौ-संवर्धन रोज़गार सृजन के साथ समाज को सांस्कृतिक मजबूती प्रदान करता है और सु-संस्कृत, स्वस्थ और सबल समाज का निर्माण करता है, जिससे सतत और समर्थ अर्थव्यवस्था का विकास संभव है। यह मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि यहां विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वत की विपुल वन संपदा है। प्रदेश की समृद्धि और आत्मनिर्भरता पर्वतों और गौ-वंश के संरक्षण से जुड़ी है, जो मध्यप्रदेश और देश की प्रगति का आधार है। मुझे प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार गौ-सेवा, जैविक कृषि और दुग्ध उत्पादन से ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए संकल्पित है। गोवर्धन पर्व के अवसर पर मेरा प्रदेश की जनता से आग्रह है कि हम सब मिलकर गोवर्धन पर्व-परंपरा के संकल्प को आत्मसात करें और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में सहभागी बनें।

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

पीपीपी मॉडल पर होगा संचालन, हर जिले में 100 एमबीबीएस सीट से होगी शुरुआत

9 जिला अस्पताल 2340 करोड़ से बनेंगे मेडिकल कॉलेज

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रदेश में मेडिकल शिक्षा का दायरा अब और बड़ा होने जा रहा है। राज्य सरकार ने 9 जिला अस्पतालों को मेडिकल कॉलेज में बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। 2340 करोड़ रुपए के पीपीपी प्रोजेक्ट के तहत हर जिले में 100 एमबीबीएस सीटें जोड़ी जाएंगी, जिससे प्रदेश में 900 नई मेडिकल सीटों का सृजन होगा।

सरकार का दावा है कि यह मॉडल वित्तीय बोझ घटाएगा और स्वास्थ्य सेवाओं को जिला स्तर पर सशक्त बनाएगा। हालांकि, डॉक्टरों के एक वर्ग ने चेताया है कि निजी प्रबंधन के कारण शिक्षा की गुणवत्ता और पारदर्शिता पर निगरानी बेहद जरूरी है।

शिक्षा और इलाज एक छत के नीचे- मध्य प्रदेश सरकार ने शाजापुर, खरगोन, भिंड, मुरैना, नरसिंहपुर, सीधी, टीकमगढ़, अशोकनगर और गुना जिलों में नए मेडिकल कॉलेज खोलने की मंजूरी दी है। हर कॉलेज को संबंधित जिला अस्पताल से जोड़ा जाएगा ताकि पहले से मौजूद इमारतों और संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके। सरकार का उद्देश्य है कि हर जिले में चिकित्सा शिक्षा और इलाज दोनों एक ही छत के नीचे उपलब्ध हों।

2340 करोड़ का प्रोजेक्ट- इस प्रोजेक्ट की कुल लागत 2340 करोड़ रुपए आंकी गई है। सरकार इसे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (मॉडल पर लागू कर रही है, जिसमें निजी कंपनियां कॉलेज का डिजाइन, निर्माण, संचालन और रखरखाव करेंगी। इन कंपनियों को संबंधित जिला अस्पताल के प्रबंधन की जिम्मेदारी भी दी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, इस मॉडल से प्रोजेक्ट तेजी से पूरा होगा और सरकारी खजाने पर सीधा दबाव नहीं पड़ेगा।

900 नई सीटों से होगी शुरुआत

इन कॉलेजों के शुरू होने के बाद प्रदेश में 900 नई MBBS सीटें जुड़ जाएंगी। यह राज्य के चिकित्सा शिक्षा इतिहास में हाल के वर्षों की सबसे बड़ी वृद्धि मानी जा रही है। नए कॉलेजों से ग्रामीण और पिछड़े जिलों में न केवल डॉक्टरों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच भी सुधरेगी। सरकार का मानना है कि इससे जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की मौजूदगी बढ़ेगी और मरीजों को इलाज के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। हालांकि इस फैसले पर चिकित्सा जगत में मिश्रित प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन के संयोजक डॉ. राकेश मालवीय ने कहा कि सरकार की मंशा सराहनीय है, लेकिन बिना पर्याप्त फैकल्टी और इन्फ्रास्ट्रक्चर के निजी कंपनियों को इतनी बड़ी जिम्मेदारी देना जोखिम भरा हो सकता है।

स्वास्थ्य विभाग के निर्देश

आशा कार्यकर्ता घर घर जाकर करेंगी गर्भवतियों का रजिस्ट्रेशन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

स्वास्थ्य विभाग की मातृ और शिशु स्वास्थ्य को लेकर रविवार शाम बैठक हुई। इस दौरान उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हर गर्भवती महिला तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि आशा कार्यकर्ता घर घर जाकर गर्भवती माताओं का पंजीयन करें, उन्हें मदर चाइल्ड कार्ड जारी किए जाएं और सभी जरूरी जांचें समय पर हों।

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि अब टेलीमेडिसिन को गांव-गांव तक लोकप्रिय बनाना होगा, ताकि हर व्यक्ति को मेडिकल कॉलेजों और विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह आसानी से मिल सके। हर महीने की 9 और 25 तारीख को विशेषज्ञ डॉक्टरों से जांच कराई जाए। जरूरत पड़ने पर मेडिकल कॉलेजों और निजी चिकित्सकों की मदद भी ली जाए।

गांव गांव तक पहुंचे टेलीमेडिसिन

डिप्टी सीएम शुक्ल ने कहा कि टेलीमेडिसिन को जन-जन तक लोकप्रिय बनाया जाए, ताकि ग्रामीण इलाकों में रहने वाले मरीज भी बड़े अस्पतालों के विशेषज्ञों से वीडियो कॉल के माध्यम से परामर्श ले सकें। उन्होंने जनपद और ग्राम पंचायत स्तर पर टेलीमेडिसिन के प्रचार प्रसार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह तकनीक दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

हर स्वास्थ्य केंद्र में होगी सुविधा

उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध सभी उपकरणों और संसाधनों का पूर्ण उपयोग हो। आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों व स्टाफ की 100 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। विभाग के चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की और एजेंसियों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण पूरा करने के निर्देश भी दिए।

अलायंस में मुश्किलें

बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखें नजदीक आते ही राजनीतिक समीकरण उलझते जा रहे हैं। एक तरफ जहां महागठबंधन के नेता सीटों के बंटवारे पर सहमति नहीं बना पा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ एनडीए ने सीटों के बंटवारे की घोषणा तो कर दी है, लेकिन मुख्यमंत्री कौन होगा, इस सवाल पर फंसा हुआ है। इस उलझन ने चुनाव को और भी दिलचस्प बना दिया है।

चुनाव से काफी पहले से ही बिहार में दो मुख्य राजनीतिक खेमे साफ थे। लेकिन जैसे-जैसे चुनाव की तारीखें करीब आईं, मामला पेचीदा होता चला गया। महागठबंधन के नेता, जो चुनाव से पहले एक साथ वोटर अधिकार यात्रा निकाल रहे थे, अब सीटों के बंटवारे पर एकमत नहीं हो पा रहे हैं। दूसरी तरफ, एनडीए ने सीटों के बंटवारे की घोषणा में बाजी मार ली, लेकिन मुख्यमंत्री के सवाल पर ऐसा फंस गया कि गठबंधन की जमीनी हकीकत पर ही सवाल उठने लगे हैं।

नहीं बनी सहमतिः महागठबंधन में नेताओं के बीच चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पहले तो काफी मेलजोल दिखता था। लेकिन सीट बंटवारे की बातचीत शुरू होते ही उनके लिए एक नतीजे पर पहुंचना मुश्किल हो गया। बार-बार सीट बंटवारे की घोषणा का समय आगे खिसकाया गया। पहले नामांकन की आखिरी तारीख बीत गई, फिर नामांकन वापसी की आखिरी तारीख भी निकल गई, और सहमति बनने की उम्मीद अधूरी रह गई। कम से कम पहले चरण के चुनाव के लिए तो यही कहानी रही।

मुख्यमंत्री का सवालः दिलचस्प बात यह है कि चुनाव के बाद मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह सवाल दोनों ही खेमों को परेशान कर रहा है। महागठबंधन में आरजेडी की जिद के बावजूद कांग्रेस अभी तक सीएम फेस घोषित करने पर राजी नहीं हुई है। इस गठबंधन में सीपीआई (एमएल) भी एक अहम सहयोगी है। उसने भी आधिकारिक तौर पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा बताने से मना कर दिया है, लेकिन वह उनके नाम का समर्थन जरूर कर रही है। दूसरी तरफ एनडीए में, पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने और फिर एलजेपी नेता चिराग पासवान ने यह बात दोहराई कि चुनाव के नतीजे आने के बाद विधायक मुख्यमंत्री तय करेंगे। इसके बाद JD प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री तो नीतीश कुमार ही होंगे। फिलहाल महागठबंधन में अंतर्विरोध सिर्फ कुछ सीटों तक सीमित दिख सकते हैं, जहां फ्रेंडली फाइट यानी आपसी सहमति से चुनाव लड़ने की बात हो सकती है। वहीं एनडीए में, पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए एलजेपीऔर जेडीयू लगभग हर सीट पर एक-दूसरे के खिलाफ तलवारें ताने दिख सकते हैं। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि भाजपा और जेडीयू, अपना मुख्यमंत्री बनवाने की चाहत में, एक-दूसरे की सीटें किस हद तक बढ़ने देना चाहेंगे।

निश्चित रूप से, इन अंतर्विरोधों ने पहले से ही दिलचस्प इस चुनावी लड़ाई के सस्पेंस को और बढ़ा दिया है। यह देखना बाकी है कि ये उलझनें चुनाव के नतीजों को कैसे प्रभावित करती हैं।

संपन्न एवं विकसित भारत के लिए 'स्वस्थ भारत' का संकल्प जरुरी

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

दीपावली पर दिल्ली में दो लाख और अयोध्या में छब्बीस लाख के साथ देश में करोड़ों दीप जलाएं। महालक्ष्मी के साथ सरस्वती की पूजा कर परिवार के साथ सम्पूर्ण भारत को संपन्न विकसित भारत की अर्चना करें। प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति में इस पूजा अर्चना का लक्ष्य ही सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति के लिए रहा है, लेकिन स्वस्थ भारत के बिना शिक्षित , संपन्न, विकसित भारत कैसे बन सकता है। इसलिए संस्कृति के अनुसार स्मरण करें - लक्ष्मी पूजा से पहले भगवान् धन्वन्तरि की पूजा का प्रावधान है । आर्थिक बाजारवाद में इसके बजाय धनतेरस के नाम से सोना या अन्य वस्तुएं , सम्पत्ति खरीदने पर अधिक ध्यान दिया जाने लगा है ।

भारत सरकार ने वर्ष 2016 से प्रत्येक वर्ष धनवंतरि जयंती (धनतेरस) के दिन आयुर्वेद दिवस मनाना आरंभ किया। इसका उद्देश्य है। आयुर्वेद के सिद्धांतों, औषधीय पौधों और जीवनशैली से जुड़ी जागरूकता को बढ़ाना। भारतीय परंपरा के अनुसार आयुर्वेद का ज्ञान भगवान धनवंतरि से प्रारंभ हुआ, जिन्हें भगवान ब्रह्मा से यह ज्ञान प्राप्त हुआ था। आयुर्वेद दिवस भगवान धनवंतरि के योगदान का सम्मान है, जो हमें प्राकृतिक और संतुलित जीवन की दिशा दिखाता है। आयुर्वेद भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति है, जो शरीर, मन और आत्मा के संतुलन के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य को प्राप्त करने पर बल देती है। आयुर्वेद शब्द संस्कृत के दो शब्दों से बना है। आयु अर्थात जीवन और वेद अर्थात ज्ञान। इस प्रकार आयुर्वेद का अर्थ है जीवन का ज्ञान।

वर्तमान में भारत में आयुर्वेद की स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तर की व्यवस्थित शिक्षा उपलब्ध है। निजी और सरकारी क्षेत्रों में सशक्त संस्थागत ढांचा विकसित हुआ है। आयुर्वेद चिकित्सकों और औषधि निर्माताओं का विशाल नेटवर्क स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचा रहा है।अब आयुर्वेद को 24 देशों में पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के रूप में कानूनी मान्यता प्राप्त है। यह भारत की एक बड़ी उपलब्धि है। अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे एससीओ एक्सपर्ट वर्किंग ग्रुप ऑन ट्रेडिशनल मेडिसिन, बिम्सटेक टास्कफोर्स ऑन ट्रेडिशनल मेडिसिन और ब्रिक्स हाई-लेवल फोरम ऑन ट्रेडिशनल मेडिसिन के माध्यम से आयुर्वेद के सिद्धांतों और नीतियों का वैश्विक आदान-प्रदान हो रहा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने ICD-11 TM Module 2 में आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी पद्धतियों के लिए रोग कोड शामिल किए हैं। इससे आयुर्वेदिक उपचारों का सटीक दस्तावेजीकरण और मान्यता संभव हुई है। WHO ने आयुर्वेद की प्रैक्टिस और प्रशिक्षण के मानक तय किए हैं। गुजरात के जामनगर में ग्लोबल ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर (GTMC) की स्थापना इस दिशा में भारत की ऐतिहासिक उपलब्धि है।

नई दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA) के 7वें स्थापना दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा था-आयुर्वेद विश्व की सबसे प्राचीन चिकित्सा प्रणालियों में से एक है। यह भारत का अमूल्य उपहार है। आयुर्वेद शरीर, मन और आत्मा के संतुलन पर आधारित समग्र स्वास्थ्य का संदेश देता है। हमारे समाज में वृक्षों और औषधीय पौधों के गुणों का ज्ञान सदियों से रहा है। आधुनिकता के दौर में जब हम प्रकृति से दूर हुए, तब हमने इस परंपरागत ज्ञान को भुला दिया। अब पुनः लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। आज इंटीग्रेटिव सिस्टम ऑफ मेडिसिन का विचार पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि सरकार आयुष और आयुर्वेद जैसी पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा दे रही है। पिछले दस वर्षों में आयुष प्रणाली का विस्तार 100 से अधिक देशों तक हुआ है। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) का पहला पारंपरिक चिकित्सा केंद्र भारत में स्थापित किया जा रहा है। भारत के पास विश्व की हेल्थ एंड वेलनेस कैपिटल बनने की अपार क्षमता है। वह दिन दूर नहीं जब 'मेक इन इंडिया' के साथ पूरी दुनिया 'हील इन इंडिया' का मंत्र भी अपनाएगी। विदेशी नागरिकों के लिए आयुष वीज़ा की सुविधा शुरू की गई है, जिससे सैकड़ों विदेशी भारत आकर आयुर्वेदिक उपचार का लाभ ले रहे हैं।

भारत की प्राकृतिक सुंदरता, योग, आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी जैसी चिकित्सा पद्धतियाँ अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित कर रही हैं। समग्र स्वास्थ्य की यह दृष्टि जिसमें शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक तीनों स्तरों पर संतुलन का प्रयास है भारत को वैश्विक स्वास्थ्य नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आयुष अब अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) और रक्षा अस्पतालों तक एकीकृत रूप में सम्मिलित किया जा रहा है।

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा का दावा है कि आयुष का वैश्विक विस्तार अभूतपूर्व है। निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और क्षेत्र का आकार कई गुना बढ़ा है।

पद्मभूषण वैद्य देवेंद्र त्रिगुणा, ऑल इंडिया आयुर्वेद कांग्रेस के अध्यक्ष, ने आयुर्वेद के प्रसार में असाधारण योगदान दिया है। उनके प्रयासों से सेंट्रल काउंसिल ऑफ इंडियन मेडिसिन (CCIM), अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान और राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की स्थापना हुई। उनके मार्गदर्शन से आयुर्वेद 80 से अधिक देशों में पहुँचा है।

आयुष उद्योग ने असाधारण प्रगति की है। वर्ष 2020 में इसका उत्पादन 18 अरब अमेरिकी डॉलर था, जो 2024 में 24 अरब डॉलर तक पहुँच गया। सेवा क्षेत्र को मिलाकर इसकी कुल कीमत 50 अरब डॉलर से अधिक है। भारतीय आयुष बाजार 2024 के 43.3 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक 200 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना है यह पिछले दशक की तुलना में आठ गुना वृद्धि है।

आयुष और हर्बल उत्पादों का निर्यात 2023-24 में 3.6% बढ़कर 651.17 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचा। भारत अब 100 से अधिक देशों में आयुर्वेदिक उत्पादों का निर्यात करता है।वेलनेस टूरिज्म भी भारत में तीव्र गति से बढ़ रहा है। 2024 में इसकी बाजार कीमत 19.43 अरब डॉलर आंकी गई है, जो 2029 तक 26.55 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना है। योग, ध्यान, प्राकृतिक उपचार और आयुर्वेदिक रिट्रीट केंद्र विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। केरल का धनवंतरी आयुर्वेद समूह दवा निर्माण, उपचार, अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में अग्रणी है। इसकी 350 शाखाएँ और कई उपचार केंद्र कार्यरत हैं। इस तरह निजी क्षेत्र में भी कई कंपनियां सक्रिय हैं । जैसे वैद्यरत्नम् समूह ने शिक्षा, अनुसंधान और औषध निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। वैद्यरत्नम् औषधशाला, वैद्यरत्नम् आयुर्वेद कॉलेज और वैद्यरत्नम् आयुर्वेद म्यूज़ियम देश के प्रमुख संस्थान हैं। संस्थान के प्रबंधन थैक्कट्टु मूस परिवार, जो आठ शाखाओं के आयुर्वेद (अष्टवैद्य) के ज्ञाता हैं, सदियों से इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। संस्थान के ई.टी. नारायणन मूस ने आयुर्वेद फर्स्ट का सिद्धांत दिया यानी स्वास्थ्य समस्या के शुरुआती संकेत पर सबसे पहले आयुर्वेद चिकित्सक से परामर्श करें। श्री नीलकंठन मूस ने 1941 में वैद्यरत्नम् औषधशाला की स्थापना की। उनके पिता श्री नारायणन मूस को 1924 में भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड रीडिंग द्वारा वैद्यरत्न की उपाधि दी गई थी। बाद में वैद्यरत्नम् फाउंडेशन हॉस्पिटल की स्थापना हुई, जिसका उद्देश्य था जाति, लिंग, आयु या आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी को प्रामाणिक आयुर्वेदिक उपचार प्रदान करना।भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इसे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन आयुर्वेदिक मैनेजमेंट ऑफ क्रॉनिक जॉइंट डिसऑर्डर्स घोषित किया। यहाँ पर गठिया, सोरियाटिक आर्थराइटिस, गाउट, एंकायलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस और ल्यूपस जैसे रोगों पर शोध कार्य किए गए। इसलिए धनतेरस केवल सोना-चाँदी खरीदने का दिन नहीं है; यह भगवान धनवंतरि की आराधना का अवसर है जिन्होंने हमें आयुर्वेद जैसा अमूल्य ज्ञान दिया।यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि वास्तविक धन स्वास्थ्य है, और स्वास्थ्य का मार्ग प्रकृति, संतुलन और आत्मअनुशासन से होकर जाता है।

यदि हम धनवंतरि के सिद्धांतों का अनुसरण करें – तो यह न केवल शरीर, बल्कि मन और आत्मा के लिए भी दीर्घायु और शांति का मार्ग बनेगा। धनतेरस पर सोना नहीं, स्वास्थ्य कमाइए – यही भगवान धनवंतरि की सच्ची आराधना का पर्व है।

-दीपावली की शुभकामनाएँ ।

सुविचार

जिंदगी तो कुल एक पीढ़ी भर की होती है, पर नेक काम पीढ़ी दर पीढ़ी चलता रहता है।
- अमृतलाल वेगड़

निशाना

बेइमानी की कमाई..!

अशेष श्रीवास्तव

धन की ज़रूरत किसको
नहीं होती है
पर धन की चाह कभी
खत्म कहाँ होती है..
प्रलोभनों में लगे ही जिंदगी
बसर होती है
संयम की लगाम कभी ही
कामयाब होती है..
हमेशा हम से अधिक संपन्नों
से ही डाह होती है
अपने से विपन्नों पर अपनी नज़र
कहाँ होती है..
बेईमानी की कमाई से सच्ची
इज्ज़त नहीं होती है
सच्ची इज्ज़त तो ईमानदारी की
कमाई से ही होती है।
जिंदगी में कमी तो आपसी
प्यार न रहने से होती है
दिलों में प्यार हो तो कोई कमी
कमी नही होती है..
माना धन ज़रुरी पर जिंदगी इसी पर
कुर्बा नहीं होती है
प्रीति, खुशी और शान्ति की प्राप्ति
धन से नहीं होती है..
कमाई रुपयों की कितनी भी हो
कभी तो खत्म होती है
नाम, संतोष, प्यार, दुआओं की
कमाई खत्म न होती है।

धरती की सांसें और हमारी दीवाली

बारूद नहीं दीप जलाएं, हरित दीपावली की ओर कदम बढ़ाएं

योगेश कुमार गोयल
स्तम्भकार

दीवाली, उजालों का त्योहार, खुशियों का स्वागत! लेकिन जब यही जश्न हमारी सांसों को घुटन से भर दे और हमारे वातावरण को जहर बना दे, तब सवाल उठना लाजिमी है कि क्या हम सच में रोशनी फैला रहे हैं या अंधकार को और गहरा कर रहे हैं। भारत में सदियों से दीयों की झिलमिलाती रोशनी और हल्की आतिशबाजी के साथ दीपोत्सव मनाने की परंपरा रही है। यह पर्व अच्छाई की विजय, प्रकाश की महिमा और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है परंतु पिछले कुछ दशकों में इसका स्वरूप इस कदर बदल गया है कि अब यह 'आतिशबाजी का युद्ध' प्रतीत होता है। वह उत्सव, जो कभी शांति और प्रकाश की अनुभूति देता था, आज शोर, धुएं और प्रदूषण का प्रतीक बन चुका है।

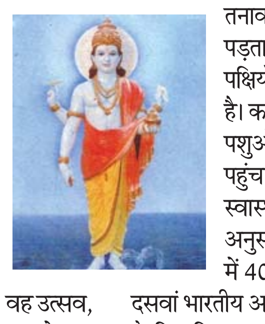

बारूद से लबालब पटाखों की चमक पलभर में न केवल जान-माल का खतरा पैदा करती है बल्कि वायु, ध्वनि और मिट्टी तीनों को गहराई से प्रदूषित करती है। इन पटाखों में बेरियम, सीसा, गंधक और कॉपर जैसे रासायनिक तत्व होते हैं, जो फूटने के बाद घंटों तक वातावरण में तैरते रहते हैं। बेरियम रेडियोधर्मी और विषैला होता है, कॉपर कैंसर का खतरा बढ़ाता है और गंधक श्वसन तंत्र को नष्ट करता है। सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीली गैसें न केवल फेफड़ों और दिल पर असर डालती हैं बल्कि बच्चों और बुजुर्गों के लिए जानलेवा साबित होती हैं।

ध्वनि प्रदूषण भी किसी हथियार से कम नहीं। कई जगहों पर पटाखों की आवाज 130 से 150 डेसीबल तक पहुंच जाती है, जो कानों की सीमा से कहीं ऊपर है। इसका सीधा असर नींद, तनाव, हृदय की गति और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। यह केवल मनुष्यों को नहीं बल्कि पशु-पक्षियों और पालतू जानवरों को भी भयभीत कर देता है। कई शोध बताते हैं कि पटाखों की तीव्र ध्वनि पशुओं की सुनने की क्षमता को स्थायी नुकसान पहुंचाती है। प्रदूषण के इस असर ने पुरुषों के प्रजनन स्वास्थ्य को भी प्रभावित किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, वायु प्रदूषण के कारण शुक्राणुओं की संख्या में 40 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है। जब हर दसवां भारतीय अस्थमा से जूझ रहा हो और हवा गर्भस्थ शिशु तक के लिए विष बन चुकी हो, तब एक रात की यह आतिशबाजी केवल असंवेदनशीलता का प्रतीक बन जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने इस गंभीर स्थिति पर हाल ही में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि प्रदूषण नियंत्रण केवल दिल्ली या एनसीआर की समस्या नहीं बल्कि पूरे देश का दायित्व है। इस वर्ष केवल एनईईआरआई द्वारा प्रमाणित 'हरित पटाखों' की अनुमति दी गई है, जिनमें बेरियम, सीसा या आर्सेनिक जैसे जहरीले रसायन नहीं होंगे। प्रत्येक पैकेट पर क्यूआर कोड अनिवार्य होगा ताकि नकली या विषैले पटाखों की बिक्री पर अंकुश लगाया जा सके। साथ ही, अदालत ने दीवाली पर पटाखे चलाने के लिए एक निश्चित समय तय किया है। ऑनलाइन बिक्री को पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है और आदेश उल्लंघन पर लाइसेंस रद्द करने व स्टॉक जब्त करने की चेतावनी दी गई है। परंतु अदालत के आदेश तभी सार्थक होंगे, जब नागरिक अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाएं। पर्यावरण संरक्षण केवल कानून का नहीं, चेतना का विषय है। जब तक लोग स्वयं संवेदनशील नहीं होंगे, कोई भी नीति या न्यायालय पृथ्वी को नहीं बचा सकते। दीवाली की असली सुंदरता पटाखों के धमाकों में नहीं, दीयों की रोशनी में है, वह रोशनी, जो हमारे घर, मन और समाज को प्रकाशित करती है। आज यह पर्व, जो कभी स्वच्छता और सादगी का प्रतीक था, अब कचरे और धुएं में डूबता जा रहा है। यह कैसी दीवाली है, जो हमारी सांसें छीन लेती है?

अब समय है कि हम अपनी परंपराओं को आधुनिक विवेक से जोडें। यदि आतिशबाजी करनी ही है तो केवल हरित पटाखों का सीमित प्रयोग करें। अपने घरों और गलियों को दीयों की रोशनी से सजाएं, एक-एक पौधा लगाएं और बच्चों को सिखाएं कि असली उजाला वही है, जो जीवन को बचाए, न कि उसे धुएं में डुबो दे। दुनिया के कई देशों में त्योहारों के साथ पर्यावरणीय जिम्मेदारी जुड़ी होती है। ऑस्ट्रेलिया में दिसंबर में एक उत्सव पर हर परिवार आतिशबाजी के साथ एक पौधा भी लगाता है, यह छोटी-सी परंपरा गहरे संदेश देती है। भारत भी ऐसा कर सकता है, जहां उत्सव और पर्यावरण का संतुलन साथ चले। आज जब दिल्ली सहित देश के कई अन्य शहरों की हवा पहले से ही जहरीली हो चुकी है, हमें यह स्वीकार करना होगा कि एक रात का आनंद आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से बड़ा नहीं हो सकता।

हेल्थ टिप्स

दीपावली पर ओवर ईटिंग से बचेंगे तो सेहत के साथ यादगार होगा त्यौहार

त्यौहार यानी ढेर सारी मौज मस्ती और तरह तरह के पकवान जिसमें ऑयली, स्पाइसी, मीठा सब कुछ शामिल होता है। जल्द ही रोशनी का पर्व दीपावली आने वाली है और लोगों ने अभी से अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। घर की साफ सफाई से लेकर सजावट, नए कपड़े और पकवानों की लिस्टजैसी कई तैयारियां होने लगी है। त्योहार छोटा हो या बड़ा लोगों को ज्यादा खाने का मौका मिल जाता है,लेकिन सेहत के लिहाज से यह बिल्कुल भी सही नहीं है। त्योहार के मौके पर ज्यादा मीठा और मसालेदार भोजन खाने से पेट से जुड़ी कई तरह की समस्याएं हो सकती है। इसके अलावा ओवरईटिंग के भी कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं। वैसे तो फेस्टिव सीजन में हर किसी को जरूरत से ज्यादा खाने से बचना चाहिए लेकिन जिन लोगों को पहले से ही कोई बीमारी हो जैसे डायबिटीज या दिल से जुड़ा रोग तो उन्हें अधिक सावधानी बरतने की जरूरत होती है।

ज्यादा मीठे के सेवन से अचानक आपके ब्लड शुगर का लेवल बढ़ सकता है। इसके अलावा अगर आप ज्यादा तला, भुना या मसालेदार भोजन खा रहे हैं तो यह आपकी दिल की सेहत के लिए ठीक नहीं होगा।

अच्छी तरह चबाकर खाना खाएं: खाते समय जल्दबाजी करने से हमेशा बचना चाहिए इससे ब्लोटिंग और गैस जैसी समस्याएं हो सकती है। इसके अलावा अगर आप अच्छी तरह से चबाकर खाना खाएंगे तो तो आपका पेट अच्छी तरह से भर जाएगा और खाना आसानी से डाइजेस्ट भी हो जाएगा। एक्सपर्ट्स के अनुसार आपका पेट भर गया है इस बात का पता लगाने में ब्रेन को 20 मिनट का समय लगता है। अगर आप स्वाद लेकर और धीरे-धीरे अपना खाना खा रहे हैं तो आपका पेट लंबे समय तक भरा रहेगा और आप ओवरईटिंग से बच सकते हैं।

खाने के बीच ब्रेक जरूरी: खाना खाने के बाद अपने दूसरे मील में आपके लिए गैप रखना जरूरी है। यानी पहले मिल के बाद आप अपने दूसरे मील की टाइमिंग फिक्स कर लें। इससे आपके शरीर को पहले भोजन को डाइजेस्ट करने का पूरा समय भी मिलेगा। इसके अलावा अगर अपने दिन में दो हैवी मिल खाए हैं तो आपको अपना एक मिल लाइट रखना चाहिए या फिर आप सिर्फ हेल्दी स्नैक्स ही खाएं। इससे पाचन संबंधी समस्याएं नहीं होगी।

ज्यादातर लोगों की आदत होती है कि वह खाते समय टीवी, लैपटॉप या मोबाइल देखना पसंद करते हैं, लेकिन आपकी इस आदत के कारण आप जरूरत से ज्यादा खा सकते हैं। अगर आप ओव ईटिंग से बचना चाहते हैं तो खाते समय आपको सिर्फ अपने भोजन पर ही फोकस करना चाहिए।

मोटिवेशनल

पति, माता -पिता का साथ छूटा, हिम्मत नहीं हारी, अब महिलाओं को दे रही हैं रोजगार

हरियाणा के रोहतक जिले के छोटे से शहर महम में पली बढ़ी अनीता भारद्वाज ने कभी सोचा नहीं था कि एक दिन जीवन उन्हें ऐसे मोड़ पर ला खड़ा करेगा कि उनके लिए पिता और पति दोनों के घर के दरवाजे बंद हो जाएंगे। हमारे देश में बेटियों की पढ़ाई पर आज भी ध्यान नहीं दिया जाता। अनीता को भी बारहवीं के बाद आगे की पढ़ाई के लिए मना किया गया। लेकिन उन्होंने पढ़ाई की जिद पकड़ ली। आखिरकार पिता अनीता को दिल्ली अपनी बुआ के घर पढ़ाई के लिए भेजने राजी हो गए। लेकिन दिल्ली में भी उनकी जिंदगी आसान नहीं थी।

पढ़ाई के लिए घर छूटा: जब अनीता बड़ी हो रही थी तब लड़कियों को ज्यादा पढ़ाना जरूरी नहीं माना जाता था। उनके लिए भी यही नियम था। लेकिन उन्होंने पढ़ाई की जिद पकड़ ली। पापा ने मुझे बुआ के घर दिल्ली भेज दिया। दिल्ली में पढ़ाई के साथ साथ काफी कुछ सीखने को मिला। डीएड की पढ़ाई के बाद एक प्राइवेट स्कूल में जॉब मिल गई। आगे की पढ़ाई भी जारी रखी।

मैंने पति का घर छोड़ दिया। स्कूल में बच्चों को पढ़ाने के दौरान उसी स्कूल के सीनियर टीचर से प्यार हो गया। दोनों के परिवार राजी नहीं थे। परिवार ने तो रिश्ता तोड़ दिया। इसके बावजूद अनीता ने प्यार निभाया और शादी की। लेकिन शादी बहुत समय तक नहीं टिकी। जब साथ रहना मुश्किल हो गया तो अनीता नरे पति का घर छोड़ दिया। स्कूल में बच्चों को पढ़ाने के साथ साथ स्पेशल चिल्ड्रन की देखभाल और उनकी साइकोलॉजी की पढ़ाई की। रिश्ता टूटने के बाद माता-पिता ने साथ दिया। फिर स्पेशल चिल्ड्रन के पेरेंट्स और स्कूल टीचर को उनकी देखभाल की ट्रेनिंग देना शुरू किया। अब अनीता के इंस्टिट्यूट की टीचर पेरेंट्स और स्कूल टीचर को बच्चों की देखभाल की ट्रेनिंग देती हैं। इससे बच्चों के भविष्य में सुधार होता है।

महिलाओं को रोजगार: अनीता ने अपने हर काम में महिलाओं की मदद ली। मकसद महिलाओं को रोजगार देना है। पति का घर छोड़ जब किराये के घर में रहने लगी, तब स्कूल में बच्चों को पढ़ाने के साथ साथ उन्होंने होममेड ज्वेलरी का बिजनेस शुरू किया। इस काम के लिए भी महिलाओं की मदद ली।

साथ काम करने वाली महिलाओं को रोजगार मिला और उन्हें कुछ अलग करने की संतुष्टि। आज उनके साथ की महिलाएं और स्पेशल चिल्ड्रन का भविष्य संवार रही हैं। साथ ही होममेड ज्वेलरी के बिजनेस को भी आगे बढ़ा रही हैं। उनका ये मानना है कि सुख-दुख जीवन में आते रहेंगे, उनसे डरकर अपने जीवन का लक्ष्य नहीं छोड़ना चाहिए। जीवन वही सफल है जो दूसरों के काम या सके।

दीपावली पर्व: बाजार में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में पहुंचे लोग

मिठाई बनाने मावा खरीदने बाजार में उमड़े ग्राहक, सजावट की सामग्री भी खूब बिकी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शहर में दीपावली की तैयारियों का उत्साह और उल्लास एक दिन पहले चरम पर दिखाई दिया। सुबह से ही खरीदारों की भीड़ बाजार में दिखाई दी। ये भीड़ लक्ष्मी पूजन, सजावट और दीपावली की तैयारियों की सामग्री से जुड़ी खरीदारों की थी। सबसे पहले भीड़ मावा बाजार में दिखाई दी। इस बाजार में एक दिन पहले जहां मावा खरीदने के लिए मिठाई विक्रेताओं की भीड़ लग रही थी तो रविवार को आम नागरिक मावा खरीदने के लिए पहुंचे। अच्छी बात ये रही मावे का भाव शनिवार की तुलना में 20 से 30 रूपए कम मिला। शनिवार को जहां मावा 350 से 360 रूपए किलो बिक रहा था। वहीं रविवार को उसके दाम घटकर 300 से 320 रूपए किलो हो गए। मावा खरीदने आए सूरज शर्मा ने बताया कि बाजार की मिठाई को लेकर कई तरह के संदेह मन में है। सिरोंज में ग्रामीण क्षेत्र का शुद्ध मावा आता है। ऐसे में घर पर ही मावे के व्यंजन बनाएंगे। इससे मिठाई को लेकर मन में किसी प्रकार की शंका भी नहीं रहेगी। मावा बाजार के बाद खरीदारों की भीड़ सजावट की सामग्री की दुकानों पर थी। यहां पर कृतिम फूलों के अलावा अन्य प्रकार की सामग्रियां बिक रही थी। जनरल सामग्री विक्रेता अंकित जैन ने बताया कि दीपावली के बाजार में खरीदारों की भीड़ रविवार को कुछ हद तक ठीक है और अब उम्मीद बंध रही है कि सोमवार को भी बाजार अच्छा रहेगा।

देवी प्रतिमाएं और दीयों की हुई जमकर खरीदारी

आत्मनिर्भर भारत अभियान का असर बाजार में केवल मिट्टी के दीपक और लक्ष्मी की मूर्तियों तक ही सीमित दिखाई दे रहा है। इनके दामों में पिछले साल की तुलना में किसी तरह की वृद्धि नहीं हुई है। मिट्टी के दिए इस साल भी बाजार में 20 रूपए के 16 ही बिक रहे हैं। इसके साथ ही पशुओं की सजावट की सामग्री भी आत्मनिर्भर भारत का संदेश दे रही है। दूसरी ओर बाजार में चाइना का सामान भी खूब बिक रहा है। इसमें घरों को रोशन करने वाली झालरों की संख्या ज्यादा है। कुछ सालों से चाइना के सामान का विरोध करने वाले लोग इस बार गायब है। इसके चलते लोग भी बेखौफ होकर बेझिझक चाइना की झालर खरीद रहे है।

अनेक हिस्सों में बंटे खरीदार

शहर का आतिशबाजी बाजार पूर्व के वर्षों में पंचकुईया इलाके में लगता था। इस बाजार में खरीदार मुख्य बाजार से होते हुए ही पहुंचते थे। इस कारण मिट्टी की सामग्री और पशुओं की सजावट की सामग्री की दुकाने भी यहीं तक सीमित थी। इस बार आतिशबाजी बाजार नया बस स्टैंड पर दशहरा मैदान पर पहुंच गया है और बडी संख्या में सजावट और अन्य सामग्री की दुकाने भी वहां लगी है। इसी तरह बामौरा रोड और छतरी नाका चौराहे पर भी अनेक दुकान लगी हैं। लोग अपनी सुविधानुसार बाजार में पहुंचकर खरीदारी कर रहे हैं। इस कारण मुख्य बाजार में भीड़ का दबाव कम हो गया है।

लोगों से स्वदेशी अपनाने की अपील

नर्मदापुरम। इटारसी में दीपावली पर्व के स्वागत में नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने स्थानीय कारीगरों की दुकानों से मिट्टी के दीपक और सजावटी सामान खरीदकर स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का संदेश दिया। गांधी स्टेडियम में की गई इस खरीदारी के जरिए शहरवासियों से आग्रह किया गया कि वे केवल स्वदेशी उत्पाद ही खरीदें ताकि स्थानीय कारीगर और छोटे व्यवसायी मजबूत हों। डॉ. शर्मा ने कहा कि इससे न केवल त्यौहार की खुशियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में भी मदद मिलेगी। नगर भाजपा मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे ने भी स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की सामूहिक जिम्मेदारी बताई। इस पहल से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ सामाजिक जुड़ाव भी बढ़ेगा।

पटाखा बाजार का लिया जायजा

नर्मदापुरम। दीपावली के मद्देनजर, नर्मदापुरम की यातायात और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए रविवार को देर शाम एडिशनल एसपी अभिषेक राजन ने बाजार क्षेत्र का गहन निरीक्षण किया।एडिशनल एसपी ने रविवार शाम को थाना कोतवाली क्षेत्र के गुप्ता ग्राउंड में लगे पटाखा बाजार का जायजा लिया। उन्होंने सबसे व्यस्तम क्षेत्र जयस्तंभ चौक,सराफा बाजार,हलवाई चौक, सतरास्ता का पैदल भ्रमण किया और यातायात व्यवस्था देखी। इस दौरान उनके साथ डीएसपी ट्रैफिक संतोष मिश्रा, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेन्द्र रावत,तहसीलदार ,कोतवाली थाना प्रभारी कंचन सिंह ठाकुर मौजूद रहे। इधर नर्मदापुरम से इटारसी पहुंचकर एडिशन एसपी ने इटारसी बाजार क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बाजार की व्यवस्था, पार्किंग और सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल के कार्यों पर संतोष व्यक्त किया और उनकी प्रशंसा की। एडिशनल एसपी श्री राजन के साथ एसडीओपी वीरेंद्र मिश्रा, थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला और पुलिस बल के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

उपराष्ट्रपति ने समाजसेवी कार्यों की सराहना की

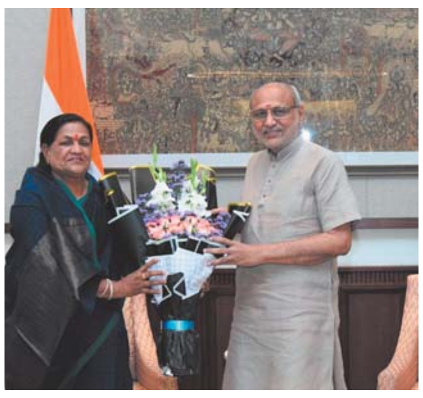

नर्मदापुरम। गत दिवस राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में भारत के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने उपराष्ट्रपति को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके समाजसेवी कार्यों की सराहना की।

दीपावली की सफाई में निकला 55 ट्रॉली कचरा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

दीपावली के पावन पर्व पर नगरपालिका द्वारा रविवार को अलसुबह से देर रात तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान समूचे नगर से 55 ट्राली कचरा निकाला गया। खबर लिखे जाने तक स्वच्छता अभियान जारी था। स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर दीपावली पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान मोहल्ले, गली और बाजार क्षेत्र से सुबह से शाम होते होते 55 ट्राली से अधिक कचरा निकाला गया। दिन भर सभी स्वच्छतादूत तैनात रहे। वार्डों में निकलने वाले कचरे, गंदगी और अन्य सामग्री एकत्रित कर ट्रॉलियों में भरा गया। श्री तिवारी ने बताया कि बाजार क्षेत्र में 24 घंटे स्वच्छता दल मौजूद रहेगा। नपा द्वारा चलाए गए स्वच्छता अभियान को लेकर नागरिकों ने नपा के प्रति आभार जताया।

नपाध्यक्ष नीतू यादव ने कहा कि दीपावली पर्व के दौरान घरों में से कचरा निकलता है। जिसके चलते समूची स्वच्छता टीम को सख्त निर्देश दिए गए थे कि जैसे जैसे वार्डों में कचरा निकलता है उसे तत्काल उठाने का प्रबंध करें। किसी भी वार्ड में कचरा न दिखे ऐसी व्यवस्था की जाए। उन्होंने नागरिकों से भी कहा कि घर से निकलने वाले कचरा यहां वहां न फैंककर एक जगह एकत्रित करें और वाहन आने पर उसी में डालें।

63 लीटर अवैध शराब के साथ महिला गिरफ्तार, बेटा फरार

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम के निर्देशन में अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना कोतवाली पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने बालागंज क्षेत्र में दबिश देकर एक महिला के घर से 63 लीटर अवैध देशी शराब जब्त की, जिसकी कीमत लगभग 21 हजार रुपये आंकी गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में अवैध शराब विक्रय की लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लिया गया। जिसके चलते थाना प्रभारी कोतवाली ने संदिग्ध स्थलों पर निगरानी बढ़ाई। इस दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बालागंज निवासी गुड्डी बाई मेषकर और उसका पुत्र विवेक मेषकर अपने घर पर अवैध रूप से देशी शराब का भंडारण कर रहे हैं। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी निरीक्षक कंचन सिंह ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 19 अक्टूबर को कार्रवाई की। दबिश के दौरान आरोपी महिला गुड्डी बाई मेषकर पत्नी स्व. ब्रह्मा

मेषकर (45 वर्ष) के घर से 350 क्वार्टर देशी शराब कुल 63 लीटर बरामद की गई। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 21,000 रुपये बताई गई है। पुलिस ने मौके पर से आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका बेटा विवेक मेषकर पुलिस की कार्रवाई का आभास होते ही मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। थाना कोतवाली पुलिस ने आरोपी गुड्डी बाई के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक कंचन सिंह ठाकुर के साथ उपनिरीक्षक हेमन्त निशोद, उपनिरीक्षक नंदलाल झरबडे, प्रधान आरक्षक पुष्पेन्द्र, आरक्षक रीतेश, विनोद, चालक आर. अरुण, आरक्षक गणेश, पंकेश, आशीष, रामकुमार, संतोष, कमलेश, गजेन्द्र, वैभव श्रीवास्तव, महिला आरक्षक प्रतीक्षा एवं शमीना की सराहनीय भूमिका रही।

दीपावली से पहले आष्टा में कार्रवाई, पुलिस ने किराना दुकानों से दो लाख के पटाखे जब्त किए

सीहोर, दोपहर मेट्रो

जिले के आष्टा नगर में दीपावली से ठीक पहले पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला के सख्त निर्देशों के बाद जिलेभर में अवैध पटाखों के विक्रय और भंडारण पर नजर रखी जा रही थी। इन्हीं निर्देशों के तहत रविवार को पुलिस ने भोपाल नाका क्षेत्र में दो किराना व्यापारियों के यहां छापेमारी कर बिना लाइसेंस बेचे जा रहे पटाखों का बड़ा जखीरा बरामद किया।

अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) आष्टा आकाश अमलकर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गिरीश दुबे के नेतृत्व में बनी विशेष टीम ने नगर निरीक्षण के दौरान यह कार्रवाई की। टीम में सउनि जगदीश धुर्वे, सउनि सुभाष कटारे, प्र. आर. दयाराम चौरे, प्र. आर. महेन्द्र मेवाड़ा एवं प्र. आर. मनोज वर्मा शामिल थे। पुलिस ने पाया कि भोपाल नाका स्थित दो किराना दुकानों में भारी मात्रा में पटाखे रखकर खुलेआम बिक्री की जा रही थी।

पुलिस ने मौके से लगभग 2 लाख मूल्य के अवैध पटाखे जब्त किए। दोनों दुकानदारों की पहचान जावेद पिता शकूर खां पठान (35 वर्ष) एवं रफीक खां पिता गफूर खां (38 वर्ष), निवासी भोपाल रोड, आष्टा के रूप में हुई। दोनों के विरुद्ध विस्फोटक अधिनियम की धारा 5, 9(ख)(1)(ख) तथा धारा 288 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि अवैध पटाखों की यह खेप कहां से लाई गई थी।कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के संयुक्त निर्देशों के अनुसार जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पटाखा दुकानों का निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारी सुरक्षा मानकों, अग्निशमन उपकरणों और निर्धारित दूरी जैसे नियमों का पालन सुनिश्चित कर रहे हैं। जिन दुकानदारों के पास वैध लाइसेंस नहीं है, उनके विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जा रही है। इस पूरे अभियान का मुख्य उद्देश्य दीपावली के दौरान नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। प्रशासन न केवल अवैध विक्रेताओं पर कार्रवाई कर रहा है, बल्कि वैध दुकान संचालकों को भी सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूक कर रहा है।

मेट्रो एंकर

दीपावली पर्व के मौके पर रंगोली, रोशनी और श्रद्धा से सजा मंदिर परिसर

21 हजार दीपों से जगमगाएगा कुबेरेश्वरधाम, बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

सीहोर, दोपहर मेट्रो

जिला मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर स्थित चितावलिया हेमा गांव में बना मुरली मनोहर एवं कुबेरेश्वर महादेव मंदिर इस दीपावली 20 अक्टूबर को अलौकिक दृश्य प्रस्तुत करेगा। मंदिर परिसर को 21 हजार दीयों से रोशन किया जाएगा। जब एक साथ इतने दीपक प्रज्वलित होंगे तो पूरा धाम स्वर्ण आभा में नहाएगा, और श्रद्धालु अपने आराध्य के समक्ष आत्मिक प्रकाश का अनुभव करेंगे। यह दृश्य श्रद्धा, संस्कृति और दिव्यता का अनूठा संगम बनेगा।

मंदिर परिसर में अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि दीप पर्व केवल बाहर के प्रकाश का नहीं, भीतर के उजियारे का उत्सव है। उन्होंने कहा कि हमें केवल घर नहीं, ग्रह की स्वच्छता का संकल्प लेना चाहिए, क्योंकि प्रकृति अब अंतिम अवसर दे रही है। यदि हम अब भी नहीं जागे, तो आगे शायद अवसर न मिले। दीपावली का अर्थ है, स्वयं को और संसार को स्वच्छ, उज्ज्वल और शुभ बनाना।प्रदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में विठलेश सेवा समिति और स्थानीय श्रद्धालु पूरी श्रद्धा से तैयारियों में जुटे हैं। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी लाइटों, फूलों और पारंपरिक सजावट से सुसज्जित किया गया है। हर कोने में रंगोली की सुगंध, दीपों की ज्योति और भक्ति के गीत वातावरण को दिव्यता से भर रहे हैं। श्रद्धालु सुबह से शाम तक दर्शन और सेवा में लीन हैं।

मिट्टी के दीयों से जीवित परंपरा

छोटी दीपावली के अवसर पर भक्तों ने मिट्टी के दीयों से पूजा अर्चना की। पंडित प्रदीप मिश्रा हर वर्ष मिट्टी की कला को प्रोत्साहित करने का संदेश देते हैं। इस परंपरा से न केवल स्थानीय कारीगरों को रोजगार मिलता है, बल्कि पर्यावरण भी संरक्षित रहता है। हजारों श्रद्धालु अपने हाथों से दीप जलाकर भगवान कुबेरेश्वर को समर्पित करते हैं। हर दीप में एक प्रार्थना, हर ज्योति में भक्ति का भाव होता है।

बैंक का अवकाश तो कियोस्क बने सहारा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

दिवाली पर बैंकों के अवकाश के बीच कियोस्क सेंटर संचालकों ने लोगों की जरूरतों को पूरा किया। हर साल दिवाली के एक दिन पहले तक बैंक खुलती थी और बड़ी संख्या में लोग बैंको में लेन-देन करने पहुंचते थे। इस बार शनिवार को धनतेरस के दिन तो बैंक खुली लेकिन रूप चौदस पर रविवार का अवकाश होने के कारण बैंके बंद रही। बैंक बंद होने के कारण लोगों की नगदी की जरूरत को कियोस्क सेंटर संचालकों ने पूरा किया। कियोस्क संचालक पवन शर्मा ने बताया कि आमतौर रविवार के दिन कम संख्या में लोग लेनदेन करने आते हैं लेकिन इस बार सोमवार को दिवाली होने के कारण बड़ी संख्या में लोग नगदी निकालने के लिए आए। ऐसी ही स्थिति सोमवार को भी बनी रहने की संभावना है। दिवाली की जगमग के बीच निराश्रित पेंशन प्राप्त करने वाले बुजुर्ग हैरान-परेशान दिखाई दिए।

नाराज ग्रामीण खुद ही बनाने लगे सड़क

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

बरगी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीणों ने वर्षों की उपेक्षा को दूर कर दीपावली पर विकास का दीप जलाने के लिए अनोखी पहल की है। हाईवे से कनेक्टिविटी की मांग पर सिस्टम की अनदेखी को दुरुस्त करने उन्होंने खुद ही गैंती-फावड़ा और तगाड़ी थाम ली। सैकड़ों आदिवासी खुद ही जंगल से सड़क निकालने के श्रमदान कर रहे हैं।

मामला जबलपुर जनपद की ग्राम पंचायत हुलकी का है, यहां वर्षों से सिवनी और जबलपुर जिले के आदिवासी मात्र तीन किलोमीटर की सडक के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटते रहे, पर समाधान नहीं मिला। आखिरकार ग्रामीणों ने अपने विकास का रास्ता खुद बनाने का निर्णय किया। दरअसल, बरगी क्षेत्र के हुलकी गांव से लगे 25-30 गांवों की हाइवे की दूरी महज 3 किलोमीटर ही है। लेकिन वन भूमि होने से सडक़ का निर्माण नहीं हो रहा था। इससे इन गांवों के रहवासियों को हाइवे तक आने के लिए सिवनी जिले होकर 40 किलोमीटर का चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। परेशान ग्रामीण इस सडक़ के लिए जनसुनवाई से लेकर सीएम हेल्पलाइन तक गुहार लगा चुके थे। धरना-प्रदर्शन से लेकर भूख हड़ताल भी की लेकिन अब तक आश्वासन ही मिलता रहा। हर बार वन विभाग की जमीन के कारण अनुमति नहीं मिलने का बहाना बनाया जाता रहा।

पिटाई का वीडियो वायरल, दोनों आरोपी गिरफ्तार

युवक रहम की भीख मांगता रहा और बेरहमी से पीटते रहे आरोपी

छतरपुर, दोपहर मेट्रो

शहर में सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक युवक की बेरहमी से पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया। मामला सटई रोड स्थित कलेक्टर बंगले के बगल में संचालित एक ढाबे का है, जहां ढाबा संचालक और उसके साथी ने एक पूर्व कर्मचारी को बेरहमी से पीटा। इस दौरान मारपीट का वीडियो भी बनाया गया जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार उमेश आदिवासी निवासी कुपी गांव, दो माह पहले उक्त ढाबे पर वेटर का काम करता था। बाद में उसने काम छोड़कर मजदूरी करना शुरू कर दिया। इसी बात से नाराज होकर ढाबा संचालक ने अपने साथी के साथ मिलकर उमेश को पकड़ लिया और उसके सिर व चेहरे पर लात-जूतों और डंडे से मारपीट की। इस पूरी घटना का एक युवक ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो में आरोपियों को गाली-गलौज करते और पीड़ित को धमकाते हुए साफ सुना जा सकता है। वीडियो में पीड़ित कहता है कि उसने कुछ गलत नहीं किया, जिस पर आरोपी कहते हैं मेरा सपोर्ट तो सपोर्ट, पुलिस भी कुछ नहीं कर पाएगी।

मारपीट करने वाले आरोपी हिरासत में

पीड़ित उमेश ने पुलिस को बताया कि ढाबे में अवैध शराब बिक्री होती है और प्रशासन से उनकी सांठगांठ है। उसने बताया कि दो दिन पहले ढाबे से शराब की जब्ती हुई थी, जिसके बाद शक के आधार पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। सिविल लाइन थाना प्रभारी सतीश सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज कर दोनों को हिरासत में लिया गया है। जांच जारी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आटो पलटा, तीन लोग घायल

तेंदूखेड़ा। तारादेही तेंदूखेड़ा मार्ग पर बहेरिया के पास एक तेज रफ्तार आटों अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया।आटो में सवार तीन लोग घायल हो जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया है जहां से एक युवक को जबलपुर रेफर किया गया है। घटना के संबंध मे स्वास्थ्य केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार खलक पिता ज्ञानी गौड़ उम्र 55 वर्ष निवासी बहेरिया सुम्मा पिता भागू उम्र 60 वर्ष निवासी बहेरिया तुलाराम पिता कालूराम गौड़ उम्र 53 वर्ष निवासी समनापुर थाना तारादेही है जिसमें खलक गौड़ उम्र 55 वर्ष को प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया अन्य दो का इलाज स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। घटना के संबंध में राहगीरों द्वारा बताया गया है किसी जानवर को बचाने के चक्कर में यह हादसा हुआ है पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है

मूर्ति स्थापना को लेकर बैठक सम्पन्न

तेंदूखेड़ा। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं वीर शिरोमणि राजा तेजसिंह जी की मूर्ति स्थापना को लेकर सोमवार को तेंदूखेड़ा ब्लॉक के तेजगढ़ ग्राम में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मूर्ति स्थापना के स्थल चयन एवं भविष्य की रणनीति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य राजा तेजसिंह जी के बलिदान, शौर्य और जनसेवा के कार्यों को स्मरणीय बनाना तथा युवाओं में वीरता की भावना का संचार करना है। बैठक में सभी सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि राजा तेजसिंह जी की मूर्ति स्थापना न केवल क्षेत्र के गौरव का प्रतीक होगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का केंद्र भी बनेगी। जल्द ही मूर्ति स्थापना के स्थान को अंतिम रूप देकर कार्य प्रारंभ किया जाएगा। बैठक में तेजगढ़ से डॉ. अनूप सिंह, तेजगढ़ सरपंच बिनजय जैन, पतलोनी सरपंच प्रतिनिधि बेड़ी सिंह, कवि चन्द्रभान सिंह लोधी, माड़नखेड़ा से अखिलेश सिंह, पत्रकार पुष्पेंद्र सिंह व अरविंद सिंह, तथा किसानपुत्र दुर्गेश सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

गांव का लाल अर्पित रंगमंच पर चमका

ओबैदुल्लागंज, दोपहर मेट्रो

कहते हैं, प्रतिभा अवसर की मोहताज नहीं होती, बस उसे पहचानने और निखारने की जरूरत होती है। इसी कहावत को सच कर दिखाया है नगर पंचायत ओबैदुल्लागंज के वार्ड क्रमांक 03, ग्राम खिल्लीखेड़ा निवासी अर्पित यादव ने, जो अब टीवी के चर्चित धारावाहिक बड़े घर की बहू में अपनी दमदार अदाकारी से पहचान बना रहे हैं। मध्यमवर्गीय परिवार से संबंध रखने वाले अर्पित यादव ने रंगमंच को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया और निरंतर मेहनत, लगन व जुनून से अपने सपनों को साकार किया। पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने अभिनय की विधिवत प्रशिक्षण लेकर छोटे पर्दे पर अपनी जगह बनाई।

अर्पित यादव ने इससे पहले भी कई प्रसिद्ध धारावाहिकों और वेब सीरीज में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। उन्होंने वेब सीरीज ÷जमुना पार÷ में उल्लेखनीय अभिनय किया, वहीं उनकी तीन वर्टिकल सीरीज जल्द ही कू-कू एफएम और पॉकेट एफएम प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही हैं। इसके अलावा अर्पित ने स्टार प्लस और सब टीवी जैसे लोकप्रिय चैनलों के लिए भी कार्य किया है, जहां उनकी प्रतिभा को खूब सराहा गया। उनकी यह सफलता न केवल परिवार के लिए, बल्कि पूरे गांव और नगर के लिए गर्व का विषय है। मेहनत और अभिनय कभी किसी की रोक से नहीं रुकते, वे अपना स्थान स्वयं बना लेते हैं। अर्पित इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। अर्पित की सफलता से ग्रामीणों में अपार उत्साह और गर्व का माहौल है। युवाओं का कहना है कि अर्पित ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि मन में लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो, तो कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। इस अवसर पर दुर्गेश यादव, सुमित यादव, नंदन यादव, नरेंद्र यादव, भगवत राजपूत, वीरेंद्र यादव, शुभम यादव, अजीत यादव, अमित श्रीवास्तव, भानु यादव, अमित यादव, मंगलेश यादव सहित अनेक लोगों ने अर्पित को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

निवाड़ी का इंजीनियर उत्तराखंड में हुए लापता, ड्रोन से सर्चिंग में भी नहीं मिले

निवाड़ी, दोपहर मेट्रो

एक युवा इंजीनियर उत्तराखंड में लापता हो गए हैं। उनकी तलाश 4 दिनों से चल रही है लेकिन कोई अता पता नहीं लग सका है। प्रदेश के निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर के सॉफ्टवेयर इंजीनियर हेमंत सोनी अपने दोस्तों के साथ ऋषिकेश गए थे। वहां 16 अक्टूबर की रात वे लापता हो गए।

दोस्तों के मुताबिक वे एक निर्माणाधीन पुल पर थे तभी मोबाइल पर बात करते करते नीचे गंगा में गिर गए। हेमंत सोनी की तलाश के लिए हर कवायद की जा रही है। यहां तक कि ड्रोन से भी सर्चिंग की गई लेकिन वे नहीं मिले। अब परिवार ने सीएम डॉ. मोहन यादव से गुहार लगाई है। इंजीनियर हेमंत सोनी, अपने दोस्त अक्षय सेठ के साथ 14 अक्टूबर को पृथ्वीपुर से रवाना होकर 15 अक्टूबर को दिल्ली पहुंचे थे। यहां से चचेरे भाई अमित सोनी भी उनके साथ हरिद्वार पहुंचे। बाद में तीनों 16 अक्टूबर को ऋषिकेश पहुंच गए। यहां रात करीब 9 बजे लक्ष्मण झूला के पास बजरंग पुल पर से नीचे गंगा नदी में गिर गए। चचेरे भाई अमित सोनी के अनुसार इंजीनियर हेमंत सोनी को अचानक एक फोन आया। वे मोबाइल पर बात करते हुए आगे बढ़ गए और निर्माणाधीन पुल से नीचे गिर गए। भाई और दोस्त ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। दूसरे दिन सुबह स्ष्ठक्रस्न के गोताखोरों ने हेमंत सोनी की तलाश की। बाद में ड्रोन से भी कई किलोमीटर तक उनकी सर्चिंग की गई लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

विनीत ने घायल दंपत्ति की बचाई जान

औबेदुल्लागंज। दीपावली के अवसर पर ड्यूटी के लिए मंडीदीप जा रहे ओबेदुल्लागंज के पटवारी विनीत शर्मा ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए सड़क हादसे में घायल एक महिला और पुरुष की जान बचाई। जानकारी के अनुसार, पटवारी विनीत शर्मा जब मंडीदीप जा रहे थे, तभी नेशनल हाईवे पर उन्हें सड़क किनारे एक दंपत्ति खून से लथपथ हालत में पड़ा दिखाई दिया। मौके पर कई लोग गुजर रहे थे, कुछ खड़े होकर देख रहे थे, लेकिन किसी ने मदद नहीं की। ऐसे में पटवारी विनीत शर्मा ने बिना देर किए अपनी निजी गाड़ी रोकी और दोनों घायलों को तुरंत ओबेदुल्लागंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों को भोपाल रेफर किया। पटवारी विनीत शर्मा ने बताया कि पुरुष के सिर पर गंभीर चोटें थीं और वह अचेत अवस्था में सड़क पर पड़ा था, जबकि महिला के शरीर पर भी गहरी चोटें आई थीं। उन्होंने कहा कि अगर देर हो जाती तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी, इसलिए मैंने तुरंत दोनों को अस्पताल पहुंचाने का निर्णय लिया। दीपावली जैसे पावन अवसर पर पटवारी विनीत शर्मा के इस मानवीय कार्य की क्षेत्र में खूब सराहना की जा रही है। लोगों का कहना है कि उन्होंने सच्चे अर्थों में मानव धर्म निभाया है।

दीपोत्सव पर्व पर घरों को रोशन करने जलाएं मिट्टी के दीपक

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

जिलेभर में आज दीपोत्सव उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा। शुभ मुहुर्त में मां लक्ष्मी के पूजन-अर्चन के बाद आतिशबाजी का दौर शुरू होगा। दीपावली पर्व के मद्देनजर नगर में दुकानें सज गई हैं। पर्व को लेकर आकर्षक लाइटिंग से लेकर रोशनी से दीयों की भी भरमार है। इस बीच विमंस ने पहल करते हुए सभी से मिट्टी से बने दीयों को जलाने की अपील की है, ताकि दीपक बनाने के व्यापार से जुड़े कुम्हारों के परिवार भी उत्साहपूर्वक पर्व को सेलिब्रेट कर सकें। महिलाओं ने मिट्टी के दीपक से दीवाली पर घरों को रोशन करने का आव्हान किया है वहीं मिट्टी के दीपक जलाने की हमारी परंपरा पर भी असर पड़ रहा है इसलिए विमंस ने होम्स को रोशन करने के लिए पारंपरिक मिट्टी के दीपक जलाने की अपील नगरवासियों से की है माया मिश्रा कहती है कि पारंपरिक दीपों को जलाकर ही दीवाली का वास्तविक महत्व होता है। मिट्टी से बने दीयों का उपयोग करने से कुम्हारों को भी उनकी मेहनत का पैसा मिल सकेगा। जिन्होंने अपने हाथों से ये दीपक तैयार किए है।

मिट्टी एक प्राकृतिक पदार्थ है। जिससे हमारे पर्यावरण को भी कोई नुकसान नहीं होता है। वह कहती है कि सजावट के लिए इलेक्ट्रिक लाइट की जगह ईको फ्रेंडली मोमबत्तियों का उपयोग करें, ताकि बिजली की बचत हो। दीपावली फेस्टिवल को पारपरिक तरीके से सेलिब्रेट करें।

-कल्पना रजक गृहणी

नगर में कई कुम्हार हैं जो मिट्टी की अच्छी कारीगरी से न्यू डिजाइन के दीपक तैयार करते हैं। यह दीपक बिना बिजली के जलते हैं और चाइनीज लाइटिंग से सस्ते होते हैं। मिट्टी के दीपक जलाने व अन्य सामग्री उपयोग करने से कुम्हारों की लुप्त होती कला को भी जीवित रख पाएंगे

-ज्योति विश्वकर्मा गृहणी

अपराध दर्ज

गाड़ी निकालने को लेकर विवाद, दो पक्ष भिड़े

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शहर के किड़ी मोहल्ले में गाड़ी निकालने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। मामले में इरफान कुरैशी की शिकायत पर कासिम और रेहान पर प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं राशिद मियां की शिकायत पर अफजल, मुन्नी बी, अजहर मियां और फैजान पर प्रकरण दर्ज किया गया है। इसी तरह साहनखेड़ी में खेत में जाने को लेकर विवाद हो गया। इस मामले में भी पुलिस ने प्रकरण कायम किया है।

मेट्रो एंकर नगर परिषद तेन्दूखेड़ा के सफाईकर्मियों की मनमानी जारी, अधिकारी भी नहीं दे रहे ध्यान

कचरे को उठाने की बजाय आग लगाकर किया जा रहा नष्ट

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

इस समय लोग दीपावली की तैयारी में लगे हुए हैं। घर की साफ-सफाई, रंगाई-पुताई की जा रही है। वहीं दुकानदार भी दुकान की साफ-सफाई में लगे हुए हैं। सफाई के बाद घर और दुकानों से निकला साल भर का कचरा सड़कों में फेंका जा रहा है। जिससे नगर में जगह-जगह कचरे के ढेर देखने को मिल रहे हैं। एक तरफ इस समय नगर की सड़कों में बने अस्थाई कचरा घरों में कचरे के ढेर लगे हुए हैं तो वहीं दूसरी ओर नगर परिषद द्वारा सफाई की रफ्तार भी धीमी बनी हुई है उक्त कचरे को आग लगाकर नष्ट किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में प्रदूषण बढ़ रहा है। इस दौरान आग फैलने का खतरा भी बना रहता है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि तेंदूखेड़ा नगर परिषद क्षेत्रांतर्गत रोजाना बड़ी मात्रा में कचरा निकलता है। जिसे वाहनों से नगर से बाहर ट्रेंचिंग ग्राउंड में पहुंचाया जाता है। वहीं वर्तमान में घर-दुकानों में साफ-सफाई होने और यहां से निकले कचरे को सड़कों में फेंके जाने से कई जगह कचरे के ढेर लग गए हैं। लोगों का कहना है कि इस समय अपेक्षाकृत ज्यादा कचरा घर की साफ-सफाई में निकल रहा हैं, लेकिन नगर परिषद द्वारा इस कचरा को समय पर नहीं उठाया जा रहा है

इसी तरह वार्ड क्रमांक 4 में बजरंग बली चौराहा सब्जी बाजार में सड़क किनारे कचरे का ढेर लगा होने से वार्ड वासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा शिक्षक राकेश नामदेव ने बताया कि यहां पर एक दो दिन में कचरे का ढेर हमेशा बना रहता है क्योंकि सफाई कर्मचारियों द्वारा झाडू लगाकर चारों ओर का कचरा यहां पर लगा दिया जाता है जिससे सुबह मंदिर जाने वाले भक्तों सहित अन्य लोगों और वार्डवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती है ना ही अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया जाता है

कचरे के ढेर बन रहे खतरा

सड़कों पर फेंका गया कचरा न केवल गंदगी, दुर्गंध का कारण बन रहा है, बल्कि मवेशियों के लिए भी जान का दुश्मन बना गया है। क्योंकि इस कचरे के साथ लोग खाद्य सामग्री सहित जहरीली सामग्री भी फेंक रहे हैं। साथ ही कांच की सामग्री, कीले आदि नुकीली चीजें भी फेंकी जा रही हैं। जिन्हें खाकर मवेशियों की जान पर बन सकती है। गौरतलब है कि स्वच्छता अभियान के तहत नगर की सड़कों, प्रमुख चैराहों में बने अस्थाई कचरा घरों को समाप्त कराने के प्रयास नगर परिषद द्वारा किए गए हैं। जिसमें अस्थाई कचरा घरों में कचरा फेंके जाने पर जुर्माना आदि की बात लिखकर भय दिखाने का प्रयास भी किया गया। लेकिन इसका फायदा भी ज्यादा नहीं हुआ है क्योंकि जुर्माना तो दर्शाया गया है पर आज तक किसी पर लगाया नहीं गया है। नगर में जहां-तहां लगे कचरे को नियम तहत उठाकर परिषद द्वारा चिन्हित स्थान पर फेंका जाना चाहिए।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना गौतमनगर भोपाल

फोन नं. 0755-2730830 E-mail psgautamnagar@gmail.com

क्रं./थाप्र./गौतमनगर/मर्ग क्रं.-40/2024 दिनांक 17/10/25

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 28/12/24 को सूचक संजय झा पिता स्व. सज्जन सिंह झां उम्र 43 साल निवासी मं.नं. 317 कबीटपुरा मल्टी गेट शाहजहांनाबाद भोपाल कि रिपोर्ट पर थाना गौतमनगर में मर्ग क्रमांक 40/2024 धारा 194 बी.एन.एस.एस. कायम कर जांच में लिया गया जिसमें मृतक अज्ञात पुरुष उम्र 70 वर्ष के परिजनों की तलाश के हर संभव प्रयास किये गये किन्तु अभी तक कोई पता नहीं चल सका है जिसका हुलिया रंग - सावला, चेहरा - लम्बा, कद - 5 फिट, शरीर दुबला पतला पहनावा- धोती कुर्ता पहने हुए है जिसके परिजनों की तलाश की जा रही है जिसके परिजनों का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है।

अतः मृतक अज्ञात पुरुष उम्र 70 वर्ष निवासी अज्ञात के परिजनों के संबंध में कोई जानकारी प्राप्त होती है तो थाना गौतमनगर भोपाल के दूरभाष क्रं. 0755-2730830 व जांचकर्ता सउनि. मो. गौरी खान के मो.नं. 7049105108 पर सूचित करें।

थाना प्रभारी
थाना गौतमनगर भोपाल

G20366/25

गलती पर गलती! इंग्लैंड से वर्ल्ड कप में जीता हुआ मैच हारी टीम इंडिया...

शिकस्त खाने के साथ बनाया शर्मनाक कीर्तिमान

इंदौर , दोपहर मेट्रो

महिला वर्ल्ड कप 2025 में इंदौर में खेले गए हाई स्कोरिंग मुकाबले में भारत को इंग्लैंड के हाथों 4 रन की करीबी हार झेलनी पड़ी। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के शानदार प्रदर्शन (4 विकेट 51 रन देकर और 57 गेंदों पर 50 रन) के बावजूद टीम इंडिया जीत से चूक गई। इसी के साथ इंग्लैंड ने वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं भारतीय टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की चीजें मुश्किल हो गई हैं। वहीं भारतीय टीम ने इस मुकाबले में एक शर्मनाक कीर्तिमान भी बनाया।

भारत की यह टूर्नामेंट में लगातार तीसरी हार है। भारत के सामने टारगेट 289 रन का था। एक समय भारत जीत की राह पर था, आखिरी 53 गेंदों पर 55 रनों की ज़रूरत थी, पर भारतीय बल्लेबाज नियमित अंतराल पर बाउंड्री लगाने के लिए जूझते रहे। और जैसे-जैसे स्कोरिंग रेट बढ़ता गया, बड़े शॉट लगाने की उनकी बेताबी बेकार गई और आखिरी 10 ओवरों में महज छह बाउंड्री ही लग पाई। यानी साफ है कि भारत ने अपनी गलती से मैच गंवाया।

स्मृति मंधाना (88) और हरमनप्रीत कौर (70) ने तीसरे विकेट के लिए 125 रनों की शानदार साझेदारी की और भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। लेकिन मंधाना के आउट होने के बाद भारतीय पारी लड़खड़ा गई। मंधाना शतक से सिर्फ 12 रन दूर थीं जब उनका विकेट गिरा।

दीप्ति-मंघाना ने की 67 रनों की पारी

दीप्ति शर्मा ने भी मंधाना के साथ 67 रनों की अहम साझेदारी की, लेकिन इंग्लैंड की स्पिनरों ने बीच के ओवरों में रन गति को थामे रखा। सोफी एक्लेस्टोन ने आखिर में दीप्ति को आउट कर भारत की उम्मीदों को झटका दिया। भारत ने एक अतिरिक्त गेंदबाज के साथ उतरने का फैसला किया और जेमिमा रोड्रिग्स की जगह रेणुका ठाकुर को मौका दिया, जो अंत में भारी पड़ गया।

टॉस जीतकर इंग्लैंड ने किया बल्लेबाजी का फैसला

इससे पहले, इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी की और हीदर नाइट (109) और एमी जोन्स (56) की पारियों की बदौलत 50 ओवर में 288/8 का स्कोर खड़ा किया। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा सबसे सफल गेंदबाज रहीं, जिन्होंने 4 विकेट लिए। नाइट और नैट साइवर-ब्रंट (39) के बीच तीसरे विकेट के लिए 113 रनों की साझेदारी ने इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। हालांकि अंतिम ओवरों में भारतीय गेंदबाजों ने वापसी करते हुए रन रोक दिए और मेहमान टीम को 288 पर सीमित कर दिया।

200+ रन का पीछा करते हुए 10वीं हार

महिला वर्ल्ड कप के इतिहास में भारत अब तक 200 से अधिक रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत हासिल नहीं कर सका है। टीम इंडिया ने ऐसे सभी 10 मुकाबलों में हार झेली है। इंदौर में इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को भारत ने 284 रन बनाए। यह पहली बार था जब भारत ने वर्ल्ड कप में रन-चेज के दौरान 250 का आंकड़ा पार किया। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 2013 में ब्रेबोर्न स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ 240/9 था। यह स्कोर भारत का बिना शतक वाली दूसरी सबसे बड़ी वर्ल्ड कप पारी भी है। इससे पहले उन्होंने पिछले रविवार को विशाखापट्टनम में 330 रन बनाए थे, जब कोई बल्लेबाज तीन अंकों का आंकड़ा नहीं छू पाया था।

रोमांचक जीतों में सबसे कम अंतर वाले मैच

इंग्लैंड महिला टीम ने वुमेंस वर्ल्ड कप में कई बार बेहद कम अंतर से मुकाबले जीते हैं। इन रोमांचक जीतों में सबसे कम अंतर वाले कुछ मैच

- 3 रन बनाम भारत, फिंचंपस्टेड, 1993
- 3 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया, ब्रिस्टल, 2017
- 4 रन बनाम भारत, इंदौर, 2025
- 7 रन बनाम साउथ अफ्रीका, हैदराबाद (डेक्कन), 1997
- 9 रन बनाम भारत, लॉर्ड्स, 2017 फाइनल

इंदौर में इंग्लैंड के खिलाफ मिली 4 रन की हार के साथ ही इंग्लैंड ने वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। वहीं भारत अब अपने ट्रिकी मुकाबलों पर निर्भर हो गया है। यह हार निश्चित रूप से भारत के लिए बहुत दिल तोड़ने वाली रही, खासकर जब खेल आखिरी ओवरों में फिसल गया। इस मुकाबले में स्मृति मंधाना का अर्धशतक बहुत ही खास था। उन्होंने शायद ही कभी आक्रामक शॉट खेला, लेकिन फिर भी उन्होंने शानदार रफ्तार से रन बनाते हुए टीम को मजबूती दी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के बीच नासुम अहमद की बांग्लादेशी टीम में एंट्री

नई दिल्ली । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के बीच बाएं हाथ के स्पिनर नासुम अहमद को टीम में शामिल किया है। शनिवार को ढाका के शेर-ए-बांग्लादेश नेशनल स्टेडियम में खेले गए सीरीज के पहले मैच में लो और स्लो पिच पर दोनों टीमों के स्पिनर्स ने प्रभावी भूमिका निभाई थी। शायद यही वजह रही कि मेजबान टीम में नासुम अहमद को शामिल किया गया है। वेस्टइंडीज के बाएं हाथ के स्पिनर खैरी पियरे ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवरों में 19 रन देकर 1 विकेट लिया, जबकि ऑफ स्पिनर रोस्टन चेज ने 2 विकेट हासिल किए थे। वहीं, बांग्लादेशी स्पिनर रिशाद हुसैन और तनवीर इस्लाम ने मिलकर 7 विकेट हासिल किए थे।

30 वर्षीय नासुम अहमद बांग्लादेश की ओर से 18 वनडे मुकाबलों में 4.48 की इकॉनमी से 16 विकेट हासिल कर चुके हैं। उन्होंने अपना पिछला वनडे मैच दिसंबर 2024 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। स्पिनर के रूप में उन्हें उनकी सटीकता, बदलती गति और मध्य ओवरों में दबाव में गेंदबाजी करने की क्षमता के लिए जाना जाता है। बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज का दूसरा मुकाबला 21 अक्टूबर को खेला जाएगा, जिसके बाद सीरीज का तीसरा और अंतिम मैच 23 अक्टूबर को आयोजित होगा। इसके बाद तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज 27 से 31 अक्टूबर के बीच चटगांव में खेली जानी है। बांग्लादेश ने सीरीज के पहले मैच में तौहीद हृदोय (51) की अर्धशतकीय पारी के दम पर 207 रन बनाए थे।

जापान ओपन: लेयला की जीत करियर के पांचवें खिताब पर कब्जा

नई दिल्लीझ्र। चौथी वरीयता प्राप्त लेयला फर्नांडीज ने रविवार को अपना पहला जापान ओपन खिताब जीत लिया। इस खिलाड़ी ने 18 वर्षीय क्वालीफायर टेरेजा वैलेंटोवा को 2 घंटे 1 मिनट तक चले मुकाबले में 6-0, 5-7, 6-3 से शिकस्त दी। इस जीत के साथ लेयला फर्नांडीज ने करियर का पांचवां और इस वर्ष का दूसरा खिताब जीता है। फर्नांडीज ने अपने करियर के सभी पांच खिताब हार्ड कोर्ट पर जीते हैं। ओसाका में लेयला फर्नांडीज का प्रदर्शन शानदार रहा है। यहां उन्होंने लगातार पांच मैच जीतकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ, फर्नांडीज ने डब्ल्यूटीए लाइव रैंकिंग में पांच स्थानों की छलांग लगाते हुए 22वां स्थान हासिल कर लिया है। मैच की शुरुआत में फर्नांडीज ने शानदार आत्मविश्वास दिखाया। उन्होंने पहले सेट को 30 मिनट से भी कम समय में अपने नाम किया। उन्होंने इस सेट में युवा चेक खिलाड़ी को 6-0 से परास्त किया। हालांकि, दूसरे सेट में वैलेंटोवा ने खुद को संभाला और अधिक खुलकर खेलना शुरू किया। उन्होंने लेयला फर्नांडीज की सर्व तीन बार तोड़ी और आखिरकार यह सेट जीतकर मैच को निर्णायक सेट तक खींच लिया। तीसरे सेट में, फर्नांडीज का पिछला अनुभव इस मैच के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ। 2-1 से आगे चल रहीं फर्नांडीज ने ब्रेक प्वाइंट पर वैलेंटोवा की दूसरी सर्विस पर मौका भुनाते हुए क्रॉसकोर्ट बैकहैंड और फिर डाउन-द-लाइन बैकहैंड विनर लगाकर ब्रेक प्वाइंट 3-1 से पक्का कर लिया। वैलेंटोवा ने वापसी करते हुए एक और ब्रेक लिया और स्कोर 4-3 तक पहुंचाया। तीसरे सेट में उन्होंने कुछ और ब्रेक प्वाइंट भी हासिल किए, लेकिन फर्नांडीज ने दबाव में स्थिर खेल दिखाया और अंततः मुकाबला अपने नाम किया।

टॉप ऑर्डर फ्लॉप... प्रैक्टिस की कमी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में कहां चूक गई टीम इंडिया, रो-को भी रहे फ्लॉप

पर्थ, एजेंसी

भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में रविवार (19 अक्टूबर) को आयोजित इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम को डीएलएस नियम के तहत जीत के लिए 131 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने 29 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। अब वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 अक्टूबर (गुरुवार) को एडिलेड ओवल में खेला जाना है।

भारतीय टीम का टॉप आर्डर इस मैच में धराशायी हो गया। भारतीय टीम के चार विकेट 50 रनों के अंदर ही गिर गए। विराट कोहली अपना खाता नहीं खोल सके, वहीं रोहित शर्मा केवल 8 रन बना सके। शुभमन गिल (10 रन) और श्रेयस अय्यर (11 रन) भी क्रीज पर ज्यादा देर नहीं टिक पाए। टॉप बल्लेबाजों के आउट होने का प्रेशर बाकी बैटर्स पर भी दिखा। हालांकि केएल राहुल और अक्षर पटेल ने बाद में जाकर कुछ अच्छी बैटिंग की, लेकिन भारत विपक्षी टीम के सामने बड़ा टारगेट सेट नहीं कर पाया।

छह महीने बाद मैदान में उतरे थे रोहित-विराट

विराट कोहली और रोहित शर्मा चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद अपना पहला इंटरनेशनल मुकाबला खेलने उतरे थे। ये दोनों दिग्गज इतने लंबे ब्रेक के बाद सीधे ऑस्ट्रेलिया पहुंचे। यदि इन्होंने भारत-ए के लिए कुछ प्रैक्टिस मैच खेले होते, तो जरूर फायदा होता। यानी प्रैक्टिस की कमी भी देखने को मिली। भारतीय टीम तीन दिन पहले ही ऑस्ट्रेलिया पहुंची थी, ऐसे में खिलाड़ी यहां की परिस्थिति से भी पूरी तरह वाकिफ नहीं हो पाए थे।

बाउंसी पिच ने भी किया परेशान

भारतीय बल्लेबाजों की परेशानी पेस एवं बाउंसी विकेट पर कई बार सामने आती है। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला। मिचेल स्टार्क, नाथन एलिस और जोश हेजलवुड की पेस तिकड़ी ने पर्थ की पिच का फायदा उठाया और शॉर्ट पिच गेंदबाजी की। इसका फायदा इन तीनों ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को भी मिला। मुकाबले में बारिश का खलल बार-बार पड़ा, इसके चलते भी भारतीय बल्लेबाजों को परेशानी हुई।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

परिणीति-राघव चड्ढा के घर नन्हे मेहमान का आगमन

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा पैरेंट्स बन गए हैं। उन्होंने रविवार को अपने बेटे का स्वागत किया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए फैंस के साथ यह खुशखबरी शेयर की।

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया और लिखा, ÷वह आ गया। हमारा नन्हा सितारा आ चुका है और पुरानी जिंदगी अब बस एक धुंधला सपना है। बाहें भरी हैं, दिल खुशी से भरा है। पहले हम एक-दूसरे के थे, अब हमारा सब कुछ है। प्यार और आभार, परिणीति और राघव।÷

इस पोस्ट पर फैंस उन्हें बधाई देते दिखाई दे रहे हैं। बॉलीवुड सेलेब्स भी उन्हें बधाई देते हुए दिखे। इस पोस्ट पर अनन्या पांडे और कृति सेनन जैसे स्टार्स ने बधाई दी। इससे पहले खबर आई थी कि राघव चड्ढा परिणीति के साथ दिल्ली के अस्पताल पहुंच चुके हैं। एक सूत्र ने इस बारे में बात

करते हुए कहा, ÷हां, परिणीति चोपड़ा को दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राघव इस खास समय अपनी पत्नी के साथ हैं।÷ परिणीति और राघव दोनों का परिवार भी अस्पताल में मौजूद है। पूरा परिवार दीपावली के मौके पर नन्हे मेहमान के आने का जश्न मना रहा है। बता दें कि इसी साल अगस्त में परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने इंस्टाग्राम पर यह खुशखबरी फैंस के साथ शेयर की थी कि वे

परिणिति-राघव ने 2023 में की थी शादी

इसमें उन्होंने लिखा था कि वे जल्द ही दो से तीन होने वाले हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया था, जिसमें पति-पत्नी पार्क में टहलते दिखाई दे रहे थे। बता दें कि परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने 2023 में उदयपुर में शादी की थी। लीला पैलेस में हुई उनकी शादी में कुछ करीबी दोस्त और परिवार वाले ही शामिल हुए थे। इस शादी में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान सहित कई राजनीतिक हस्तियां भी शामिल हुई थीं।

नरगिस बर्थ डे : अमेरिका और पाकिस्तान में मॉडलिंग फिर बॉलीवुड में की धमाकेदार एंट्री,

बॉलीवुड हो या फिर हॉलीवुड फिल्म, एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने कई फिल्मों में अपने ग्लैमरस भूमिका से दर्शकों का मनोरंजन किया है। मॉडलिंग में सफलता मिलने के बाद 2011 में नरगिस को पहली ही बार में रणबीर कपूर के साथ रॉकस्टार में स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला, वह भी बतौर लीड एक्ट्रेस।

एक्ट्रेस के करियर की शुरुआत भले ही अच्छी रही हो, लेकिन धीरे-धीरे उनके करियर की गाड़ी स्लो हो गई। आज भी नरगिस फिल्मों में सेकेंड लीड का रोल प्ले करती हैं। नरगिस सोमवार को अपना 46वां जन्मदिन मनाएंगी। नरगिस फाखरी का जन्म न्यूयॉर्क में हुआ है, लेकिन पकिस्तान से भी उनका रिश्ता है। उनके पिता मोहम्मद फाखरी पाकिस्तानी के मूल निवासी थे और उनकी शादी मारिया ए. फाखरी से हुई थी। हालांकि दोनों का तलाक हो चुका है और उनके पिता भी अब दुनिया में नहीं

रहे हैं। दोनों माता-पिता के अलग-अलग देशों के होने की वजह से उन्हें पाकिस्तान और अमेरिका दोनों की नागरिकता प्राप्त है। नरगिस की रुचि मॉडलिंग में थी। 16 साल की उम्र में ही उन्होंने मॉडलिंग शुरू कर दी थी। उन्होंने पाकिस्तानी शोज के लिए भी मॉडलिंग की और साल 2004 में अमेरिका नेक्स्ट मॉडल शो में हिस्सा लिया, जिसके बाद उन्होंने भारत में किंगफिशर कैलेंडर और बाकी बड़े ब्रांड के लिए मॉडलिंग करनी शुरू की और उनका चेहरा हर तरफ छा गया।

मेट्रो बाजार

ऑनलाइन खरीददारी में छोटे शहरों ने महानगरों को पछाड़ा, फैशन की बढ़ी मांग

नई दिल्ली। दिवाली पर इस साल गैर-मेट्रो शहरों ने सबसे अधिक ऑनलाइन खरीददारी की। यह कुल ई-कॉमर्स कारोबार का लगभगत तीन-चौथारी हिस्सा रहा। अकेले टियर-3 शहरों का योगदान पचास फीसदी से अधिक रहा। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

लॉजिस्टिक्स इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म %क्लिकपोस्ट% ने 4.25 करोड़ शिपमेंट के डाटा का विश्लेषण किया। रिपोर्ट में बताया गया कि त्योहारों के इस सीजन में ई-कॉमर्स में सबसे तेज और सबसे अधिक योगदान गैर-मेट्रो शहरों का रहा। रिपोर्ट में कहा गया, भारत के गैर-मेट्रो शहरों की रफ्तार हैरान करने वाली है। अकेले टियर-3 शहरों से 50.7 फीसदी ऑर्डर आए। टियर-2 शहरों से 24.8 फीसदी ऑर्डर मिले। यानी भारत के छोटे शहरों से कुल मिलाकर 74.7 फीसदी ऑर्डर आए। यह दिखाता है कि यही क्षेत्र अब ऑनलाइन खरीददारी की असली ताकत हैं। दुर्गा पूजा के दौरान फैशन की मांग 14.3 फीसदी तक बढ़ी। करवा चौथ के मौके पर तो कॉस्मेटिक उत्पादों की खरीदारी फैशन को भी पीछे छोड़ गई। इतनी बड़ी संख्या में ऑर्डर आने के बावजूद देश की लॉजिस्टिक्स कंपनियों ने औसतन 2.83 दिन में डिलीवरी की। साथ ही, उसी दिन डिलीवरी का 4.2 फीसदी से बढ़कर 8.7 फीसदी हो गई।

टियर-3 शहरों में अब भी नकद पर डिलीवरी (कैश ऑन डिलीवरी) सबसे पसंदीदा तरीका बना हुआ है। यहां 52 फीसदी ऑर्डर नकद पर डिलीवरी से किए गए। हालांकि, देशभर में महंगे उत्पादों की खरीद में डिजिटल भुगतान का ज्यादा इस्तेमाल हुआ। ऑर्डर का औसत मूल्य भी 32.5 फीसदी बढ़ा है।

देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण बढ़ा, दो लाख करोड़ की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का संयुक्त बाजार मूल्यांकन पिछले सप्ताह दो लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल सबसे आगे रहीं। शेयर बाजार में तेजी का कंपनियों को फायदा हुआ। पिछले सप्ताह, बीएसई बेंचमार्क 1,451 अंक या 1.75 प्रतिशत उछला।

रिलायंस इंडस्ट्रीज और एयरटेल का बाजार मूल्यांकन बढ़ा- शीर्ष 10 कंपनियों में से, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर को फायदा हुआ, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंफोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन में गिरावट आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 47 हजार करोड़ रुपये बढ़कर 19.17 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो शीर्ष 10 कंपनियों में सबसे अधिक है। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 41 हजार करोड़ रुपये बढ़कर कुल 11 लाख करोड़ रुपये हो गया।

इन कंपनियों का बढ़ा बाजार पूंजीकरण- आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 40,123 करोड़ रुपये बढ़कर 10,26,491 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक का 33,185 करोड़ रुपये बढ़कर 15,40,210 करोड़ रुपये हो गया। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 28,903 करोड़ रुपये से बढ़कर 6,65,899 करोड़ रुपये हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 17,774 करोड़ रुपये बढ़कर 6,12,009 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 7,938 करोड़ रुपये बढ़कर 8,20,924 करोड़ रुपये हो गया।

अयोध्या के नंदीग्राम का भरत कुंड

भगवान राम के वियोग में यहीं भरत ने की थी 14 साल तपस्या

नई दिल्ली। देशभर में आज दीपावली का त्योहार मनाया जा रहा है और इस मौके पर अयोध्या की चमक स्वर्ग में बने महल जैसी होती है, जो दीपों से जगमगा जाती है । अयोध्यावासी हर साल दीपावली पर भगवान राम के स्वागत के लिए दीपों से अयोध्या को सजा देते हैं, लेकिन अयोध्या में एक ऐसी जगह है, जहां भगवान राम के छोटे भाई भरत ने 14 साल की कठोर तपस्या की थी और वहीं से अयोध्या का शासन चलाया था। त्रेतायुग में मां कैकयी के कहने पर भगवान राम ने भरत को सिंहासन सौंपते हुए वनवास स्वीकार किया था। उस वक्त सभी की आंखों में आंसू थे, लेकिन भरत का मन सबसे ज्यादा व्यथित था। भरत के मन में भी राज्य का राजा बनने का कोई लालच नहीं था और वह अपने भाई को ही अयोध्या पर राज करते देखना चाहते थे। भगवान राम के वनवास जाने के बाद भरत ने अयोध्या से दूर नंदीग्राम में अपना स्थान लिया और 14 साल तक भगवान राम की चरण पादुका को सिंहासन पर रख अयोध्या पर राज किया था। नंदीग्राम में बने भरत कुंड में भरत ने वियोग में 14 साल कड़ी तपस्या की थी। अयोध्या के थोड़ा दूर नंदीग्राम में बने भरत कुंड की मान्यता बहुत है। यहां एक सरोवर कुंड है, जहां लोग स्नान करने आते हैं और अपने पितृों का तर्पण भी करते हैं। भरत कुंड में 27 तीर्थों का जल है, जिसकी वजह से इसकी मान्यता बहुत ज्यादा है।

बिहार का रण : अब अपनों के ही निशाने पर आए सम्राट, जेडीयू-भाजपा की मांग

उम्र-डिग्री पर साफ करें अपना पक्ष

पटना, एजेंसी

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी गुरुवार को मुंगेर जिले की तारापुर विधानसभा सीट पर अपना नामांकन पत्र दाखिल करते समय अपने गृह क्षेत्र में लगे जय सम्राट, के बैनर देखकर खुश हुए होंगे। हालांकि, उनकी उम्र और शैक्षिक योग्यता को लेकर सवाल, जो सबसे पहले जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने उठाए थे, इस वरिष्ठ भाजपा नेता को परेशान करते रहे हैं। चौधरी, जो 2020 से एमएलसी हैं, का नवीनतम चुनावी हलफनामा इन आरोपों को शायद ही पुष्ट करता हो। उनकी सर्वोच्च योग्यता मानद डॉक्टर ऑफ लेटर्स डीएलआईटी है, जबकि उन्होंने कामराज विश्वविद्यालय से %पीएफसी% की उपाधि का उल्लेख किया है। उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने ये योग्यताएं कब हासिल कीं।

चौधरी ने चुनाव से संबंधित दो लंबित मामलों की भी घोषणा की है - एक 2023 में पटना में दर्ज है, और दूसरा 2014 में तारापुर में दर्ज है। 2023 का मामला दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 जो चार या अधिक लोगों के जमावड़े पर रोक लगाता हैके उल्लंघन से संबंधित है, जबकि 2014 का मामला आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित है। लेकिन उनके खिलाफ 1995 के तारापुर मामले का कोई ज़िक्र नहीं है, जिस पर किशोर ने सवाल उठाए हैं और आरोप लगाया है कि चौधरी ने अपनी उम्र फर्जी बताई थी ताकि उन्हें नाबालिग घोषित किया जा सके और जमानत मिल सके। किशोर का दावा है कि 1995 में चौधरी असल में 26 साल के थे। अपने मौजूदा चुनावी हलफनामे में, चौधरी ने अपनी उम्र 56 साल बताई है, साथ में मतदाता सूची के अनुसार की शर्त भी है। इससे 1995 में उनकी उम्र 26 साल हो जाती है।

डिग्री को लेकर सवाल

रिपोर्ट के मुताबिक नए हलफनामे में चौधरी द्वारा 2020 के विधान परिषद चुनावों के दौरान घोषित की गई बातों को ही बरकरार रखा गया है। उन्होंने तब घोषणा की थी कि उनकी डी.लिट. की डिग्री कैलिफ़ोर्निया पब्लिक यूनिवर्सिटी से है, जो एक अमेरिकी संस्थान है और अपनी वेबसाइट के अनुसार मुख्य रूप से दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम प्रदान करता है, और उन्होंने कामराज विश्वविद्यालय से पीएफसी भी सूचीबद्ध किया था। 2020 में भी, उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्हें डी.लिट. की डिग्री कब प्राप्त की या पीएफसी कब किया। दरअसल, 1999 में जब चौधरी राबड़ी देवी के नेतृत्व वाली राजद सरकार का हिस्सा थे, तब पार्टी के नेता के तौर पर उन्हें अपनी उम्र को लेकर उठे विवाद के कारण इस्तीफा देना पड़ा था।

प्रशांत किशोर का आरोप

सम्राट चौधरी की ओर सेहलफनामा दाखिल करने के तुरंत बाद, किशोर ने बताया कि भाजपा नेता ने उम्र को लेकर मेरे द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब नहीं दिया है, और न ही इस बारे में कि क्या वह 1995 के तारापुर मामले में अभियुक्तों में से एक थे, जिसमें छह लोग मारे गए थे। उन्होंने आगे कहा कि वह इस बात पर भी चुप रहे कि क्या उन्हें नाबालिग होने का प्रमाण पत्र दिखाकर ज़मानत मिली थी, जबकि उस समय वह नाबालिग नहीं थे। किशोर के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर, चौधरी ने मीडिया को बताया कि मैंने कभी डी.लीट. की डिग्री हासिल करने के लिए पढ़ाई नहीं की। यह मानद है। मैंने यह भी घोषित किया है कि मैंने एक प्री-फाउंडेशन कोर्स पीएफसी किया है, जिसे कुछ मामलों में दसवीं कक्षा के समकक्ष माना जाता है।

सीटों पर टकराव के बीच कांग्रेस ने घोषित किए 6 और उम्मीदवार

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी नई लिस्ट जारी कर दी है, इसमें 6 कैंडिडेट्स के नाम का ऐलान किया गया है। पार्टी ने अब तक कुल 60 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। कांग्रेस की लिस्ट के मुताबिक वाल्मीकि नगर से सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा, अररिया से अबीदुर रहमान, अमौर जलील मस्तान, बरारी से तौकीर आलम, कहलगांव से प्रवीण सिंह कुशवाहा और सिकंदरा विधानसभा सीट से विनोद चौधरी को टिकट दिया गया है। कांग्रेस ने कहलगांव से प्रवीण कुशवाहा पर दांव लगाया है, ये सीट आरजेडी और कांग्रेस के बीच सबसे विवादास्पद सीटों में से एक है। वहीं सिकंदरा सीट के लिए पार्टी ने विनोद चौधरी पर भरोसा दिखाया है। बता दें कि कांग्रेस ने पहली लिस्ट 17 अक्टूबर को जारी की थी, इसमें 48 उम्मीदवारों का ऐलान किया गया था। जबकि दूसरी लिस्ट में 1, तीसरी में 5 और चौथी लिस्ट में 6 कैंडिडेट्स की घोषणा की गई है। इस तरह पार्टी ने अब तक कुल 60 सीटों पर उम्मीदवार उतार दिए हैं। समाचार एजेंसी के मुताबिक, बिहार चुनाव से पहले इंडिया लॉक के अंदर की कलह खुलकर सामने आ गई है। आरजेडी और कांग्रेस दोनों बड़ी पार्टियों के असंतुष्ट उम्मीदवारों ने पार्टी नेतृत्व पर टिकट बेचने के आरोप लगाए हैं।

व्हाइट हाउस में जेलेंस्की से बोले ट्रंप

पुतिन चाहें तो यूक्रेन को तबाह कर देंगे, कई बार हुई तीखी बहस

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की की हाल ही में व्हाइट हाउस में मुलाकात हुई थी। इस बैठक के दौरान ट्रंप ने जेलेंस्की को रूस के प्रस्ताव को मानने की सलाह दी। इतना ही नहीं, ट्रंप ने ये भी कहा कि अगर यूक्रेन रूस की शर्तों पर सहमत नहीं होता, तो पुतिन यूक्रेन को तबाह कर देंगे।

ट्रंप और जेलेंस्की के बीच हुई बैठक में कई बार गरमागरमी हुई। ये मीटिंग कई बार झगड़े जैसी स्थिति में पहुंच गई, जिसमें ट्रंप लगातार गुस्से में बोलते रहे और अपशब्दों का इस्तेमाल करते रहे। बैठक के दौरान ट्रंप ने यूक्रेन के युद्ध क्षेत्र के नक्शे एक तरफ फेंक दिए और ज़ेलेंस्की से कहा कि उन्हें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पूरा डोनबास क्षेत्र सौंप देना चाहिए। ट्रंप ने ज़ेलेंस्की से यह भी कहा कि वह यह जंग हार रहे हैं और चेतावनी दी कि अगर पुतिन चाहें तो तुम्हें पूरी तरह तबाह कर देंगे। बता दें कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की शुक्रवार को व्हाइट हाउस पहुंचे थे। इस दौरान उनकी ट्रंप से मुलाकात हुई। जेलेंस्की को उम्मीद थी कि उन्हें रूस के खिलाफ लड़ाई के लिए नए हथियार मिलेंगे।

दो घंटे तक चली बैठक

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, 2 घंटे चली इस बैठक में ज़ेलेंस्की ने अमेरिका से लंबी दूरी की टोमहॉक मिसाइलें मांगीं, लेकिन ट्रंप ने इस पर ठंडा रुख दिखाया। उन्होंने कहा कि वह आने वाले हफ्तों में हंगरी में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने वाले हैं, और फिलहाल वह दोनों देशों के बीच जंग रोकने पर ज़्यादा ध्यान देना चाहते हैं।
बैठक के बाद ट्रंप ने कहा कि मैंने राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की और राष्ट्रपति पुतिन दोनों से कहा है कि अब यह युद्ध तुरंत बंद होना चाहिए। जहां लड़ाई चल रही है, वहीं रुक जाओ और अपने-अपने घर लौट जाओ। अब हत्या बंद होनी चाहिए।
जेलेंस्की से मुलाकात के एक दिन पहले ट्रंप और पुतिन की फोन पर बातचीत हुई थी। ट्रंप ने खुद को दोनों पक्षों यानी रूस और यूक्रेन के बीच मध्यस्थ के रूप में पेश किया।

सीएम योगी का अयोध्या में विपक्ष पर तीखा हमला

उन्होंने भक्तों पर गोलियां चलाईं, हमने दीये जलाए

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने वर्षों तक अयोध्या को अंधेरे में रखा, जबकि अब प्रदेश में रामराज्य का उजाला फैला है। योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी और इंडी ब्लॉक पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने राम मंदिर आंदोलन के दौरान कारसेवकों पर गोलियां चलवाईं, वे 2024 में बने भव्य राम मंदिर के

उद्घाटन में शामिल होने तक नहीं आए।

सीएम योगी ने कहा कि जिन लोगों ने गोलियां चलाईं, वे राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नहीं आए। राम मंदिर आंदोलन के दौरान मंदिर निर्माण को रोकने के लिए वकीलों की फौज खड़ी की गई। उन्होंने गोलियां चलाईं, लेकिन हमने दीये जलाए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर दीपक हमें याद दिलाता है कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं। सत्य की नियति विजय है, और इसी भावना से सनातन धर्म ने 500 वर्षों तक संघर्ष किया। उसी संघर्ष का परिणाम है कि आज अयोध्या में एक भव्य और दिव्य मंदिर खड़ा है। समाचार एजेंसी के मुताबिक, दीपोत्सव के मौके पर अयोध्या का 26 लाख 17 हजार 215 दीपों की रोशनी से हर गली, मंदिर और घाट जगमगा उठा।

पटाखा गोदाम में विस्फोट, युवक के उड़ गए चीथड़े, तीन घायल

एटा। एटा के करतला-आसपुर मार्ग पर रविवार को पटाखा गोदाम में विस्फोट के बाद आग लग गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई और 3 घायल हुए हैं। धमाका इतना तेज था कि दो दुकानों की छत ही उड़ गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गांव कनिकपुर थाना बागवाला निवासी घायल संजू के भाई पूरन सिंह ने बताया कि करतला चौराहे से आसपुर जाने वाले मार्ग पर पटाखों का भंडारण किया गया था।

हांगकांग एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा

समुद्र में फिसला कार्गो विमान, दो की मौत

हांगकांग। चीन से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां हांगकांग एयरपोर्ट पर सोमवार तड़के एक बड़ा हवाई हादसा हो गया। ये हादसा तब हुआ जब एक कार्गो विमान हांगकांग इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसलकर समुद्र में चला गया। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि विमान में सवार चार क्रू मेंबर्स को सुरक्षित निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें कि यह बोइंग 747 कार्गो विमान तुर्किय की एसीटी एयरलाइंस द्वारा उड़ाया जा रहा

था और दुबई के अल मकतूम इंटरनेशनल एयरपोर्ट (डीडब्ल्यूसी) से उड़ान भरकर हांगकांग पहुंचा था। यह विमान एमिरेट्स एयरलाइंस से वेट लीज पर लिया गया था, यानी विमान के साथ पायलट, क्रू, मेंटेनेंस और बीमा भी एसीटी एयरलाइंस ही संभाल रही थी।

समुद्र में डूबा विमान का पिछला हिस्सा

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विमान का पिछला हिस्सा समुद्र में डूब गया, जबकि अगला हिस्सा और कॉकपिट पानी के ऊपर नजर आ रहे हैं। ध्यान रहे कि हादसा सुबह करीब 3:50 बजे हांगकांग एयरपोर्ट के नॉर्थ रनवे पर हुआ, जो अब अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। बाकी दो रनवे चालू हैं। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि हवाई अड्डे की एक ग्राउंड व्हीकल में मौजूद दो लोगों की मौत हुई है।

भारत से अपनी विदाई पर भावुक हुए ईरानी राजदूत

इराज इलाही बोले- यह धरती बहुत खूबसूरत व अनमोल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में अपने राजनयिक मिशन के पूरा होने पर मैं इस खूबसूरत धरती से अनमोल और अविस्मरणीय यादें लेकर जा रहा हूं। यहां रहने के दौरान, मैंने हमेशा इस देश के स्नेही और विनम्र लोगों के बीच घर जैसा महसूस किया। यह बात दिल्ली में ईरान के राजदूत रहे इराज इलाही ने भारत में अपना राजनयिक मिशन पूरा करने को लेकर एक भावुक नोट में कही। उन्होंने कहा कि मैंने महान भारतीय राष्ट्र और उसकी सरकार को उचित वैश्विक प्रतिष्ठा हासिल करने की अथक कोशिशों को प्रत्यक्ष तौर से देखा, मुझे पूरा विश्वास है कि यह ऐसा लक्ष्य है जिसे भारत जल्द ही हासिल कर लेगा। इलाही ने आगे कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि ईरान

और भारत की प्राकृतिक क्षमताएं, सांस्कृतिक समानताएं और साझा रणनीतिक स्वतंत्रता उन्हें स्वाभाविक साझेदार बनाती हैं। मुझे खुशी है कि मेरे कार्यकाल के दौरान, दोनों देशों के बीच चाबहार के रणनीतिक बंदरगाह के लिए सहयोग चालू हो गया। यह एक ऐसा प्रवेश द्वार जो जल्द ही ईरान के रेलवे नेटवर्क से जुड़ जाएगा और क्षेत्रीय विकास और वैश्विक अर्थव्यवस्था में सहायक होगा।

मेट्रो एंकर

पहाड़ों पर बर्फबारी बढ़ाएगी ठंड

दक्षिणी राज्यों में पांच दिन भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 21 अक्टूबर से एक हल्का पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने का अनुमान है, जिससे अगले दो-तीन दिनों में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की वर्षा या बर्फबारी हो सकती है। पहाड़ों पर बर्फबारी से जल्द ही मैदानी इलाकों में ठंडक बढ़ सकती है। भारतीय मौसम विभाग ने इस बीच, 20 से 24 अक्टूबर तक दक्षिण भारत के कई राज्यों में मध्यम से भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के मुताबिक, तमिलनाडु, पुद्दुचेरी, कराईकल, केरल और माहे में कई जगहों पर भारी वर्षा का पूर्वानुमान है। इसके अलावा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 20 और 22-24 अक्तूबर के बीच, जबकि तटीय कर्नाटक में 23 और 24 अक्टूबर को बारिश की संभावना जताई गई है। 22 से 24 अक्तूबर के बीच तटीय आंध्र

प्रदेश, यनम और रायलसीमा में गरज के साथ तेज बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो-तीन दिनों में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, यूपी में रातें सर्द होने लगेंगी।मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार कश्मीर में रविवार को भी तेज धूप खिली। उत्तरी कश्मीर के ऊंचे इलाकों में 21 व 24 अक्टूबर को हल्की बर्फबारी हो सकती है और 21 से 26 अक्टूबर शाम तक आंशिक रूप से बादल छाए रहंगे।

मौसम केंद्र शिमला ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान हिमाचल प्रदेश में मौसम शुष्क रहा। राज्य के अधिकांश इलाकों में न्यूनतम तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की गई है और रातें सर्द होने लगी हैं। केलांग में न्यूनतम तापमान 1.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पूरे प्रदेश में सबसे कम तापमान रहा।

तमिलनाडु में नीलगिरि माउंटेन रेलवे (एनएमआर) मार्ग पर भूस्खलन के बाद कई ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। दक्षिणी रेलवे के मुताबिक कई स्थानों पर पहाड़ का मलबा पटरी पर आ गया। कल्लार और कुन्नूर के बीच चट्टानें, कीचड़ और गिरे हुए पेड़ों के चलते ट्रैक बाधित हो गया है। उधर, केरल के कई जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में रविवार को भारी बारिश जारी रहने से कई निचले इलाकों में बाढ़ आ गई। इसमें इदुक्की जिला सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने छह जिलों एर्नाकुलम, इदुक्की, मलप्पुरम, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

कर्नाटक और महाराष्ट्र को बाढ़ राहत के लिए केंद्र से 1,950 करोड़ की मंजूरी

गृह मंत्रालय ने कर्नाटक और महाराष्ट्र को बाढ़ राहत के लिए 1,950.80 करोड़ रुपये की अग्रिम मंजूरी दी है। यह राशि राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) के तहत 2025-26 के लिए केंद्रीय हिस्से की दूसरी किस्त के रूप में जारी की जाएगी। गृह मंत्रालय के मुताबिक, कुल मंजूर राशि में से 384.40 करोड़ रुपये कर्नाटक और 1,566.40 करोड़ रुपये महाराष्ट्र को दिए जाएंगे। इस सहायता का उद्देश्य दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान अत्यधिक वर्षा और बाढ़ से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत पहुंचाना है। मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने जैसी प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित राज्यों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564